सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 291 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 3 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

कवर्धा में भी एक्टिव हुए पल्लव ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वालों को लगाई फटकार

कवर्धा। प्रदेश और देश में चर्चित आईपीएस अधिकारी और कबीरधाम एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव बुधवार देर शाम कवर्धा शहर में गश्त पर निकले। यातायात व्यवस्था और लोगों को नियम का पालन कराने के लिए गश्त पर निकले थे। इस दौरान उन्होंने यातायात नियम का पालन नहीं करने वालों को जमकर फ्टकार लगाई।

उन्होंने साथ ही कई लोगों का चालान भी काटा। उनकी इस कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल, वे जिले में दो माह पहले ही पदस्थ हुए हैं। इससे पहले वह पहले दुर्ग में एसपी थे। दुर्ग-भिलाई में भी उनकी कार्रवाई के वीडियो काफी वायरल होते रहते थे। साथ ही प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोपियों की वन-टू-वन चर्चा भी चर्चित रही है।

कवर्धा में बुधवार को पहली बार ट्रैफिक व्यवस्था को देखने के लिए निकले हुए थे। इस दौरान वे शहर के सिग्नल चौक, मेन मार्केट, एकता चौक, पुराना बस स्टैंड, गुरु नानक गेट तक गए। मार्केट में चार पहिया वाहन लेकर पहुंचे चालकों को फ्टकार लगाई।

जिले में बढ़ रही सड़क हादसे

कबीरधाम जिले में बढ़ते सड़क हादसे पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। क्योंकि इस साल जनवरी से लेकर 31 जुलाई तक सड़क हादसों में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई हैं। इसी प्रकार 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं। सड़क हादसों में ज्यादातर मौत बाइक सवार की हुई हैं। अधिकतर मोटर साइकिल सवार हेलमेट नहीं पहनते हैं। इस कारण हादसे में सिर पर गंभीर चोट आती है और मौत हो जाती है। इन सब को देखते हुए पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

भिलाई-दुर्ग के जिलाध्यक्ष भी टिकट के दावेदार, दे सकते हैं इस्तीफा!

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा कोर ग्रुप की कल रायपुर में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि जो जिलाध्यक्ष टिकट की दावेदारी करते हैं, उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना होगा। इतना ही नहीं, इस्तीफे के बाद भी इस बात की कोई गारंटी नहीं होगी कि पार्टी उन्हें टिकट दे ही देगी। दुर्ग जिले के दोनों संगठनों भिलाई और दुर्ग के जिलाध्यक्षों को विधानसभा चुनाव में टिकट का दावेदार बताया जा रहा है। ऐसे में संभावना यही बन रही है कि दोनों जिलाध्यक्ष अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

भिलाई जिला भाजपा के अध्यक्ष बृजेश बिचपुरिया ने हालांकि स्पष्ट नहीं किया है, किन्तु जानकारों के मुताबिक, वे वैशाली नगर क्षेत्र से टिकट के प्रमुख दावेदारों में हैं। वरिष्ठ व अनुभवी नेता होने की वजह से पार्टी ने उन्हें जिलाध्यक्ष बनाया था। गुटबाजी के चलते उन पर सभी गुटों के साथ समन्वय की बड़ी जिम्मेदारी थी। इस बार क्षेत्र से स्थानीय को ही टिकट देने की वकालत की जा रही है, ऐसे में बिचपुरिया की दावेदारी और भी ज्यादा पुख्ता होती है। अब तक पार्टी ने यहां से सरोज पाण्डेय, जागेश्वर साहू व (स्व.) विद्यारतन भसीन को प्रत्याशी बनाया था। स्व. भसीन को छोड़कर बाकी दोनों प्रत्याशी बाहरी थे। यही वजह है कि इस बार पार्टी के भीतर स्थानीय को टिकट देने की मांग जोर पकड़ रही है।

दूसरी ओर दुर्ग जिला भाजपाध्यक्ष के अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा को भी टिकट का प्रमुख दावेदार बताया जा रहा है। हालांकि वे अब तक पाटन क्षेत्र से टिकट की मांग करते रहे हैं, लेकिन जिलाध्यक्ष बनाए जाने के बाद वे बोरिया-बिस्तर लेकर दुर्ग शिफ्ट हो गए थे। दुर्ग भाजपा भी गुटबाजी से परेशान रही है। वर्मा को पाटन से लाकर दुर्ग का जिलाध्यक्ष बनाया गया तो उनसे भी यही अपेक्षा की गई थी कि दुर्ग जिले में गुटबाजी पर अंकुश लगेगा। जानकारों के मुताबिक, जितेन्द्र वर्मा अब पाटन की बजाए दुर्ग से दावेदारी करने का मन बना चुके हैं। इसकी वजह यह है कि पाटन, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का क्षेत्र है और मुख्यमंत्री के सामने चुनाव लड़ना अपना राजनीतिक भविष्य खत्म करने के समान है। ऐसे में हेमचंद यादव के निधन के बाद रिक्त हुई दुर्ग सीट पर जितेन्द्र वर्मा की दावेदारी से नए समीकरण बन सकते हैं। दुर्ग पिछड़ा वर्ग बाहुल्य इलाका है, जहां से विगत दो चुनाव से कांग्रेस के सीनियर नेता अरूण वोरा विधायक निर्वाचित होते रहे हैं। हालांकि इससे पहले लगातार तीन बार भाजपा के (स्व.) हेमचंद यादव चुनाव जीते थे। उनके निधन के पश्चात पार्टी ने दुर्ग निगम की महापौर चंद्रिका चंद्राकर को टिकट दिया था, जिन्हें अरूण वोरा के मुकाबले अपेक्षाकृत कमजोर प्रत्याशी माना गया था।

मनभेद दूर करने की कवायद

बैठक में बीएल संतोष और ओम माथुर ने यह भी कहा कि नेताओं को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री और संगठन महामंत्री को सुझाव नियमित रूप से देते रहना है, चाहे उनसे कोई पूछे या न पूछे। अगर उन्हें किसी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाता है और वे उससे संबंधित कुछ बात रखना चाहते हैं तो जरूर बताएं। इसके अलावा जिलों में भी अगर मनमुटाव है तो प्रमुख नेता वहां जाकर दोनों पक्षों को बुलाएं। मिलकर बात करें और समझाकर मनमुटाव दूर करें। संदेश दें कि मिलकर काम करना है। ओम माथुर ने अगले दो महीने में होने वाले सभी कार्यक्रमों की समीक्षा भी की। अगस्त में चल रहे नए वोटर्स को जोड़ने का अभियान और विधानसभा में कलेक्टर को ज्ञापन देने वाले कार्यक्रम पर बात हुई। इसके साथ ही सितंबर में होने वाले कार्यक्रमों की योजना भी बनाई गई।

प्रदेश में आधा दर्जन जिलाध्यक्ष दावेदार

बताया जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा के आधा दर्जन से ज्यादा जिलाध्यक्ष विधानसभा टिकट के दावेदार हैं। संभावना जताई जा रही है कि ये सभी जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं। पार्टी भी चाहती है कि टिकट के दावेदार क्षेत्र में सक्रिय रहें, ताकि टिकट वितरण के बाद किसी तरह की कठिनाई न आए। भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और चुनाव प्रभारी ओम माथुर ने मिलकर यह फार्मूला तय किया है। हालांकि राजस्थान में भी ऐसा ही फार्मूला पहले ही लागू किया जा चुका है। बैठक में भाजपा ने पूरे छत्तीसगढ़ में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने के लिए यात्राएं निकालने का निर्णय भी लिया है। एक यात्रा बस्तर से तो दूसरी सरगुजा से शुरू होगी। ये दोनों यात्राएं एक साथ शुरू होंगी और 15 दिन में सभी 90 विधानसभाओं का भ्रमण करेगी। अभी इसका संभावित नाम विजय संकल्प यात्रा बताया जा रहा है। यात्राएं 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक चलेगी, जिसमें बड़े से लेकर स्थानीय स्तर के तमाम नेता शामिल होंगे।

आफत की बारिश : पहाड़ का हिस्सा टूटकर सड़क पर गिरा, अमरकंटक जाने वालों का आवागमन बंद

जीपीएम। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में पिछले दो दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है, जिसके कारण नदी-नाले उफान पर हैं। वहीं, लगातार हो रही बारिश से केवची अमरकंटक मार्ग पर पहाड़ का हिस्सा भी सड़क पर गिर गया है। पहाड़ का मलबा सड़क पर आ जाने से अमरकंटक मार्ग पर आवागमन बाधित है। करीब दो घंटे से इस मार्ग पर आवागमन बंद है। आने-जाने वाले लोग परेशान हो रहे हैं और जाम लगा हुआ है। लोग दूसरे वैकल्पिक मार्ग का उपयोग कर यात्रा पूरी कर रहे हैं। इसके साथ ही अमरकंटक मार्ग में सिद्ध बाबा के पास भी पहाड़ का मलबा सड़क पर आ गया है। जिले में हो रही लगातार बारिश के कारण लैंडस्लाइडिंग की भी घटना हुई हैं। गौरेला से ज्वालेश्वर और दुर्गाधारा के रास्तों से अमरकंटक जाने वाले मार्ग में भी कई स्थानों पर पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरकर सड़क पर आया है। इन रास्तों पर फ्लिहाल आवागमन जारी है। जिला प्रशासन ने इन रास्तों से आने-जाने वाले लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। वहीं, मरवाही के कोटमी और सिवनी के पास सोन नदी उफान में चल रही है। शहरी इलाकों की बात करें तो कई वार्डों में पानी घुस गया है, जिसके कारण लोग परेशान हो रहे हैं।

ज्ञानवापी मामले में बड़ा फैसला, जारी रहेगा एएसआई का सर्वे

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के एएसआई का सर्वे को लेकर गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही ज्ञानवापी परिसर के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण सर्वे को हरी झंडी दे दी है। दरअसल, 21 जुलाई को वाराणसी जिला जज ने ज्ञानवापी के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) सर्वे का

आदेश दिया था। इस पर मुस्लिम पक्ष ने पहले सुप्रीम कोर्ट फिर हाईकोर्ट में सर्वे के फैसले को चुनौती दी। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की इस याचिका को खारिज कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि न्यायहित में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का सर्वे जरूरी है। कुछ शर्तों के साथ इसे लागू करने की जरूरत है।

पिछले दिनों वाराणसी जिला जज एके विश्वेश ने मस्जिद परिसर का वैज्ञानिक सर्वे कराने का आदेश जारी किया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को चार अगस्त तक सर्वे की रिपोर्ट वाराणसी कोर्ट को सौंपनी थी। जिला अदालत के आदेश के बाद एएसआई की टीम सोमवार को ज्ञानवापी परिसर का सर्वे करने पहुंची थी। लेकिन मुस्लिम पक्ष ने सर्वे का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई सर्वे पर दो दिन के लिए रोक लगाते हुए मस्जिद कमेटी को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने के लिए कहा था। इसके बाद मुस्लिम पक्ष हाईकोर्ट पहुंचा। अब सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया है।

एससी आरक्षित 10 सीटों पर कांग्रेस-भाजपा की पैनी नजर

छत्तीसगढ़ में इस बार किसका 'हाथ' थामेगा सतनामी समाज

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। ओबीसी के बाद छत्तीसगढ़ में दूसरी सबसे बड़ी कम्युनिटी सतनामी समाज को साधने की कोशिशें तेज हो गई है। ऐन चुनाव से पहले दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दल सतनामी समाज को अपने-अपने तरीके से संदेश देने में जुटे हैं। अब तक इस समाज को साधने बाबा गुरु घासीदास की जयंती हर साल मनाई जाती रही हैं। इस बार सियासी दल मिनी माता की पुण्यतिथि को चुनाव से पहले इवेंट का रूप देने में लगे हैं। दरअसल, चुनाव में सतनामी समाज को साधने की कवायद दोनों राजनीतिक दल करते हैं। बाबा गुरु घासीदास की जयंती 18 दिसंबर को है। इसलिए चुनाव के ठीक पहले समाज को एक बड़ा संदेश देना है कि उनका दल सतनामी समाज के हितों की चिंता करता है। मिनी माता की जयंती मनाकर इस मैसेज को समाज के लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

राज्य के आदिवासी इलाकों को छोड़ दें तो मैदानी इलाकों में दूसरी सबसे बड़ी कम्युनिटी सतनामी समाज है। रायपुर संभाग, दुर्ग और बिलासपुर संभाग में सतनामी समाज का बड़ा प्रभाव चुनाव में देखने को मिलता है। सरगुजा और बस्तर संभाग में सतनामी समाज कुछ खास प्रभाव नहीं डाल पाता है, क्योंकि बस्तर और सरगुजा संभाग आदिवासी बाहुल्य है। वहीं, प्रदेश में 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जो कि एससी कम्युनिटी के लोगों के लिए आरक्षित है। पिछले विधानसभा चुनाव में सतनामी समाज ने एकजुट होकर कांग्रेस के पक्ष में वोट किया था, जिसका नतीजा साल 2018 के चुनाव में साफ देखने को मिला।

वहीं, 10 विधानसभा सीटों में से वर्तमान में 7 कांग्रेस के पास है, दो बीजेपी और एक बसपा के पास है। इनमें से एससी वर्ग की दो सीटें सरायपाली और सारंगढ़ में कांग्रेस प्रत्याशियों ने 50-50 हजार के बड़े अंतराल से जीत दर्ज की थी। अब साल के आखिरी में छत्तीसगढ़ में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस चुनाव में सतनामी वर्ग को साधने कांग्रेस और भाजपा दोनों ही मिनी माता की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम करने जा रहे हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस मिनीमाता की पुण्यतिथि पर जांजगीर में बड़ा आयोजन करने जा रही है, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के शामिल होने की संभावना है। आयोजन 11 अगस्त को होगा।

दरसअल, प्रदेश में तीन बार भाजपा की सरकार बनी, तब एससी वर्ग के लिए आरक्षित दस में से सात-आठ सीटें भाजपा के पाले में थी। पिछले चुनाव में एससी वर्ग के आरक्षण में कटौती से नाराजगी का असर देखने को मिला और भाजपा सिर्फदो सीट ही जीत पाई। इसमें रमन सरकार में मंत्री रहे पुन्नूलाल मोहिले मुंगेली और पूर्व मंत्री केएम बांधी मस्तुरी से जीत पाए। कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद एससी वर्ग के आरक्षण में एक फीसद की बढोत्तरी का दांव खेला। विधानसभा में कांग्रेस ने जो आरक्षण संशोधन विधेयक पास कराया, उसमें एससी वर्ग के लिए 12 की जगह 13 फीसद आरक्षण दिया गया। हालांकि यह विधेयक राजभवन में अभी तक लंबित है। भूपेश सरकार में एससी वर्ग से दो मंत्री डॉ. शिव डहरिया और गुरु रुद्रकुमार को जगह मिली। मिनीमाता गुरु रुद्र की दादी हैं। अब उनके नाम पर कांग्रेस एससी वोटरों को अपने पाले में करने की कोशिश कर रही है।

जांजगीर में शक्ति-प्रदर्शन के मायने

जांजगीर-चांपा में मल्लिकार्जुन खरगे की सभा इसलिए कराई जा रही है, क्योंकि यहां की एससी वर्ग की सीट कांग्रेस के खाते में नहीं है। यहां भाजपा और बसपा उम्मीदवार की जीत हुई। यही नहीं, मस्तुरी में तो कांग्रेस तीसरे स्थान पर खिसक गई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में मस्तुरी में भाजपा 14 हजार वोट और मुंगेली में आठ हजार से ज्यादा वोट से जीती थी। पामगढ़ में बसपा की इंदू बंजारे को जीत मिली। इंदू ने कांग्रेस के गोरेलाल बर्मन को 3061 वोट से हराया था। रमन सरकार में मंत्री रहे दयालदास बघेल को पिछले चुनाव में अपनी सीट गंवानी पड़ी थी। एससी वर्ग की दो सीट सारंगढ़ और सराईपाली में कांग्रेस प्रत्याशी ने 50 हजार से ज्यादा वोट से जीत दर्ज की थी। पिछला रिकार्ड दोहराने के लिए कांग्रेस जुगत कर रही हैं। वहीं, भाजपा ने भी पहली बार एससी मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक राजधानी रायपुर में की है।

ये हैं अजा आरक्षित सीटें

छत्तीसगढ़ की जिन 10 सीटों को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है, उनमें सारंगढ़, सराईपाली, आरंग, अहिवारा, नवागढ़, डोंगरगढ़, बिलाईगढ़ के अलावा मस्तुरी, मुंगेली व पामगंढ़ शामिल है। इनमें से मस्तुरी में भाजपा के केएम बांधी व मुंगेली क्षेत्र से पुन्नूलाल मोहिले ने पिछले चुनाव में जीत दर्ज की थी। इनके अलावा बसपा प्रत्याशी के रूप में पामगढ़ से इंदू बंजारे ने विजयी ध्वज फहराया था। बाकी की 7 सीटों पर कांग्रेस विजयी रही थी। अब पार्टी अपने पिछले प्रदर्शन को फिर से दोहराने की जुगत में है।

चुनाव से पहले दल बदलना भी धर्मांतरण जैसा

श्रीकंचनपथ

कोई 10-12 साल पहले की बात है. पुलगांव के वृद्धाश्रम में एक वृद्ध से मुलाकात हो गई। 15 अगस्त का दिन था. सभी आश्रमवासियों की खाट के नीचे फ्लों की पॉलीथीन थैलियां पड़ी थीं। एक दिन में इतना फल आ गया था कि यदि लालच में खा लेते तो पेट खराब होना तय था। पर वृद्धाश्रम में रहने वालों ने जिंदगी देखी है। अपने पेट और शरीर का ख्याल रखना उन्हें आता है। वृद्ध के हाथ में एक पुष्ट केला था। वृद्ध उसे उलट-पलट कर देख रहा था। उत्सुकता हुई तो हमने कारण जानना चाहा। बिना सिर उठाए ही उन्होंने कहा, सुना है जब केले का छिलका काला पड़ जाता है, तो वह और भी पौष्टिक हो जाता है। सोच रहा हूँ, यह केला कितने दिन में काला होगा। कोने की एक खाट की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा- उसे देख रहे हो? खाते पीते घर की है। बेटे ने विवाह के लिए धर्म बदल लिया और इसे घर से बाहर कर दिया। अब यहीं रहती है। पर जब बहुत बीमार हो जाएगी तो इसे भी अपने घर लौटना ही पड़ेगा, एक अजनबी की तरह। बातों-बातों में बात राजनीति तक जा पहुंची। अपनी धुंधली अनुभवी आंखों से मुझे घूरते हुए उन्होंने पूछा - कौन पार्टी के हो? मैंने मुस्कुराकर जवाब दिया - पत्रकार हूँ, नेता नहीं। मूंछों ही मूंछों में वो मुस्कुराए फिर पास बैठने का इशारा किया। बैठ गया तो अपनी उभरी नसों वाले झुर्रियों से भरे हाथ से मेरे जांघों पर थपकियां देते हुए उन्होंने पूछा, सर्कस देखा है कभी? मेरे हां कहने पर उन्होंने कहा - पहले सर्कस के सभी खेलों में एक बात कॉमन होती थी। ट्रैपीज और शेरों का बाड़ा। इनमें से एक खेल शो के आरंभ में तो दूसरा अंत में दिखाया जाता था। फर्स्ट शो में ट्रैपीज अंत में तो दूसरे में पहले नंबर पर। पहले लगता था राजनीति के चुनावी मौसम में ट्रैपीज का खेल शुरू हो जाता है। लोग झूला पकड़कर निकल लेते हैं, जो उसे पकड़ ले अपने साथ ले जाए। ट्रैपीज के अंत में पैरों के सहारे चमगादड़ की तरह लटकने वाले खिलाड़ी पकड़ते तो हैं पर फिर गुलाटी खिलाकर छोड़ देते हैं और खिलाड़ी धम्म से नीचे लगे जाल पर आ गिरता है। फिर लगा कि यह उदाहरण गलत है। थोड़ी देर रुकने के बाद उन्होंने फिर मेरी तरफ देखा। अब उनकी आंखों में शरारत थी। उन्होंने फिर कहना शुरू किया, राजनीति में दल-बदल दरअसल, धर्मांतरण जैसा है। जिस घर में पैदा हुए, जिन संस्कारों के साथ बड़े हुए, जहां उठना-बैठना, चलना सीखा, अपने हाथों से खाना-धोना सीखा, उसे छोड़कर जब आदमी दूसरे धर्म में जाता है तो वहां के लोग उसे पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पाते। पूरी तरह से अन्य धर्म का होने में कई पीढ़ियां लगती हैं। राजनीति में भी ऐसा ही है। ऐसे लोगों पर चट से भरोसा करना जरा मुश्किल होता है।

संपादकीय

हिंसा पर जल्द लगाम

हिंसा रोकने की हर कोशिश स्वागतयोग्य और अनुकरणीय है। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने उचित ही हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के जवाब में राष्ट्रीय राजधानी में विरोध प्रदर्शनों के दौरान कोई भड़काऊ भाषण या हिंसा न होने पाए। राज्य के अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात करने, प्रदर्शनों की वीडियोग्राफी करने और घटना के सीसीटीवी फुटेज रखने का निर्देश दिया गया है। वाकई, जहां कहीं भी उपद्रव हो रहे हैं, वहां ईमानदारी से दस्तावेजीकरण जरूरी है, ताकि बाद में उपद्रवियों को सजा दिलाने में सुविधा हो। यह कहने में कोई हिचक नहीं कि हरियाणा सरकार को अपने स्तर पर ही हिंसा को नियंत्रित करना चाहिए था और सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी। अगर हर बार हिंसा रोकने की गुहार न्यायपालिका से करनी पड़े, तो विधायिका व कार्यपालिका की सार्थकता कितनी रह जाती है? यह बात चौंकाती है कि नूंह में हिंसा के विरुद्ध सड़कों पर अनेक जगह प्रदर्शन हुए हैं, जबकि माहौल को शांत करने के लिए इनको रोकना जरूरी है। इतिहास गवाह है कि ऐसे प्रदर्शन न केवल शक्ति प्रदर्शन के लिए होते हैं, बल्कि इनमें अराजक तत्वों की भागीदारी प्रशासन की ढिलाई के साथ बढ़ती चली जाती है। किसी भी प्रकार की हिंसा का पक्ष लेने वाले प्रदर्शन को हर हाल में रोकना चाहिए। यह राष्ट्रीय राजधानी की नाक का भी सवाल है। यह इस क्षेत्र के तमाम जन-प्रतिनिधियों के लिए भी सजगता का समय है। पुलिस को ऐसे तमाम नेताओं पर निगाह रखनी चाहिए, जो उग्रता या हिंसा के प्रति प्रत्यक्ष या परोक्ष समर्थन दर्शा रहे हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है, जो किसी के हितैषी नहीं हैं और जिनका मकसद केवल उपद्रव को उकसाना है। नूंह की हिंसा और उसके राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र पर असर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। वहां 31 जुलाई को भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बाद से अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। सौ से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, पर जहां हजारों लोगों के दिमाग में सांप्रदायिकता का जहर भरा हो, वहां प्रशासन को भी व्यापकता में कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए। सांप्रदायिक आधार पर किसी भी दोषी को बचाने की जरूरत नहीं है। अगर हम आज एक अराजक तत्व को बचाएंगे, तो कल ऐसे दस तत्व पैदा हो जाएंगे। हरियाणा सरकार अपने ढंग से हिंसा को रोकने के लिए सक्रिय है,पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद पुलिस अधिकारियों को भी ज्यादा जिम्मेदारी का परिचय देना होगा। स्थिति को संभालने के लिए अर्द्धसैनिक बलों की 14 इकाइयां नूंह, तीन पलवल, दो फरीदाबाद और एक गुरुग्राम भेजी गई हैं। अगर और जवानों की जरूरत पड़े, तो हिचकना नहीं चाहिए, आज हिंसा को भड़कने से रोकने से ज्यादा जरूरी और कुछ नहीं है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उचित ही कहा है कि सरकार हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों से निजी संपत्तियों के नुकसान की भरपाई करेगी। उपद्रवियों की जेब से वाजिब भरपायी करवाना न्यायपूर्ण है और यह काम जितनी जल्दी हो, हिंसा पर काबू पाने में उतनी ही जल्दी सफलता मिलेगी। निजी संपत्ति के साथ-साथ सार्वजनिक संपत्ति के मामले में भी सरकार को समान नजरिया रखना चाहिए। संविधान प्रदर्शन करने या अपनी बात रखने का हक सबको देता है, पर उपद्रव का हक किसी को नहीं है।

> “ सांप्रदायिक आधार पर किसी भी दोषी को बचाने की जरूरत नहीं है। अगर हम आज एक अराजक तत्व को बचाएंगे, तो कल ऐसे दस तत्व पैदा हो जाएंगे। हरियाणा सरकार अपने ढंग से हिंसा को रोकने के लिए सक्रिय है,पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद पुलिस अधिकारियों को भी ज्यादा जिम्मेदारी का परिचय देना होगा।

समान कानून पर थम गई चर्चा

राष्ट्रीय विधि आयोग को समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी पर 80 लाख से एक करोड़ के बीच सुझाव मिले हैं। आयोग ने 14 जून को लोगों से अपील की थी कि वे बताएं कि देश में समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए या नहीं। अगर होनी चाहिए तो क्यों और नहीं होनी चाहिए तो उसके पीछे क्या तर्क है। पहले एक महीने का समय दिया गया था लेकिन बाद में इसे दो हफ्ते और बढ़ा दिया गया। इस बीच 27 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में भाजपा के चुनाव अभियान का आगाज करते हुए समान नागरिक संहिता पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, ‘यूनिफॉर्म सिविल कोड के नाम पर लोगों को भड़काया जा रहा है। एक घर दो कानून से घर नहीं चल पाएगा। भारत के संविधान में भी नागरिक के समान अधिकार की बात की गई है’। प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद पूरे देश में समान कानून पर चर्चा शुरू हो गई। चारों तरफ इस पर सम्मेलन और सेमिनार होने लगे। संसदीय समिति की बैठक भी हुई और तमाम सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने अपनी राय विधि आयोग को भेजी।

तब ऐसा लग रहा था कि सरकार संसद के मानसून सत्र में इस बिल को पेश कर सकती है। हालांकि उस समय तक विधि आयोग का काम पूरा नहीं हुआ था और न उसने कोई सिफारिश की थी। यहां तक कि सरकार ने बिल का मसौदा भी तैयार नहीं किया था। लेकिन तब सूत्रों के हवाले से मीडिया में ऐसी खबर आई थी कि उत्तराखंड सरकार की ओर से तैयार कराए जा रहे बिल के मसौदे को ही भारत सरकार भी अपना सकती है। उत्तराखंड सरकार के लिए समान नागरिक संहिता का मसौदा सुप्रीम कोर्ट की रिटायर जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली कमेटी कर रही है। पिछले महीने इस कमेटी के सदस्यों ने विधि आयोग से भी मुलाकात की थी। तब कहा गया था कि 15 जुलाई तक जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप देगी।

हैरानी की बात है कि अब जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई कमेटी की ओर से बनाए जा रहे मसौदे की भी कोई चर्चा नहीं हो रही है। कमेटी ने अभी तक रिपोर्ट राज्य सरकार को नहीं सौंपी। सो, रेफरेंस के लिए भी किसी के पास कोई मसौदा नहीं है। विधि आयोग को जो एक करोड़ सुझाव मिले हैं उनकी छंटनी और विषय के हिसाब से ब्योरेवार उनको व्यवस्थित करना लंबा और समय खाने वाला काम है। इसी तरह 27 जून के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार भी समान नागरिक संहिता के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। कोई और मंत्री या भाजपा का नेता भी इस बारे में नहीं बोल रहा है और इस पर होने वाले सेमिनार, सम्मेलन आदि भी अचानक बंद हो गए हैं। सवाल है कि ऐसा क्यों हुआ है? क्या इस कानून को लागू करने के रास्ते में आने वाली बाधाओं या विरोधाभासों की वजह इसको स्थगित कर दिया गया है या सरकार की कोई मंशा थी, जो इतनी चर्चा से ही पूरी हो गई है और उसके बाद उसे स्थगित कर दिया गया है? असल में समान नागरिक संहिता के बारे में यह आम धारणा है कि इसका सबसे ज्यादा विरोध मुस्लिम समुदाय करेगा। आजादी के बाद से भारतीय जनसंघ और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने और 1980 के बाद से भाजपा ने यह धारणा बनाई है कि कांग्रेस की सरकारों ने अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने के लिए इसे लागू नहीं किया, जबकि संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में इसको शामिल किया गया है। लेकिन हकीकत इस प्रचारित धारणा से अलग है। यह बात पहली बार कानून व न्याय मामले की संसदीय समिति की राय से जाहिर हुई। भाजपा सांसद सुशील मोदी की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति ने तीन जुलाई को अपनी बैठक के बाद कहा कि देश के आदिवासियों को समान नागरिक संहिता से रियायत मिलनी चाहिए।

> “ जापान ने भी लगातार संक्रमण झेला है। बीते मार्च के बाद जब वहां मास्क लगाना अनिवार्य नहीं रहा, तो लोगों के उदास चेहरे सामने आ गए। अब तो यह स्थिति है कि लोग ‘स्माइल कोच’ की सेवा ले रहे हैं। मुस्कराने और हंसने की कक्षाएं ली जा रही हैं। जिस कोविड ने नौकरी, पारिवारिक रिश्ते, अकेलापन आदि विषयों के साथ मनुष्य को अकेला छोड़ दिया, उस जीवन के क्षणभंगुर सत्य के बीच मुस्कराने को खो देना या भूल जाना, मानो एक इंसान का सबकुछ छीन लेना है।

हम दोबारा मुस्कराना सीख रहे हैं

नन्दितेश निलय, जीवन मूल्य प्रशिक्षक

उनका नाम किको क्रॉनो है। वह जापानी ‘स्माइल कोच’ हैं। उनकी पूरी टीम उत्तर कोविड दुनिया या पोस्ट कोविड वर्ल्ड में जापान की जनता को मुस्कराना सिखा रही है। जापान, एक ऐसा देश, जहां लोग मुस्करा कर ही जवाब देते थे, पर अब वहां अनगिनत चेहरों से मुस्कराहट गायब हो गई है। चीन के युवाओं की भी स्थिति ठीक नहीं है। भारत में भी जीवनशैली व व्यवहार पर कोविड के प्रकोप का प्रभाव नामक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि 18 से 70 की उम्र तक के सभी लोग किसी न किसी प्रकार के मानसिक तनाव में हैं। बहुतों का मन बोझिल है और नींद गायब। भारत में उतना गहरा अध्ययन नहीं हुआ है, पर खुशी को पैमाना मानें, तो भारत दुनिया के 136 देशों के बीच 126वें स्थान पर आता है।

निस्संदेह, भारतीयों को हंसाना पहले की तुलना में कठिन हुआ है। कई वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचलित हैं, जो बताने लगे हैं कि किसी बात पर कब हंसना है। असली हंसी की जगह नकली व तयशुदा हंसी हावी होती जा रही है। भारतीय उद्यानों में भी सुबह-शाम नकली ढंग से खुलकर हंसना सिखाने वाले लोग अक्सर मिल जाते हैं। आखिर भारत जैसे देश में ऐसी हंसी की जरूरत क्यों पड़ रही है? वैसे, पिछली सदी के अंतिम दशक में ही देश में ‘लाफिंग क्लब’ की शुरुआत हो गई थी। भारत में शुरू से यह माना गया है कि स्वस्थ रहने के लिए हंसना-मुस्कराना जरूरी है। हालांकि, एक बड़ा सच है कि भारत में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें ठीक से हंसे जमाना हो गया है। इसका असर परिवार व तमाम रिश्तों पर पड़ा है।

जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं और सामाजिक आर्थिक अस्थिरता ने ऐसा माहौल बना दिया है, जहां सभी अकेले रहना चाहते हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों में महामारी के बाद का असर साफ तौर पर दर्ज किया जा रहा है। क्या कोविड के बाद हमारे हाथ से हमारी पुरानी दुनिया छूट गई? क्या हमारा चेहरा कुछ बदल गया है? इस ‘न्यू नॉर्मल’ ने मानो उस चेहरे पर नजर लगा दी है, जिस चेहरे ने इंसानी कौम को होमो सेपियंस के बाद पहचान दी थी।

जापान ने भी लगातार संक्रमण झेला है। बीते मार्च के बाद जब वहां मास्क लगाना अनिवार्य नहीं रहा, तो लोगों के उदास चेहरे सामने आ गए। अब तो यह स्थिति है कि लोग ‘स्माइल कोच’ की सेवा ले रहे हैं। मुस्कराने और हंसने की कक्षाएं ली जा रही हैं। जिस कोविड ने नौकरी, पारिवारिक रिश्ते, अकेलापन आदि विषयों के साथ मनुष्य को अकेला छोड़ दिया, उस जीवन के क्षणभंगुर सत्य के बीच मुस्कराने को खो देना या भूल जाना, मानो एक इंसान का सबकुछ छीन लेना है। यह मुस्कराहट फिर वापस कैसे आए? जापानी कोच किको क्रॉनो अपनी स्माइल एजुकेशन की कंपनी इगाकु चलाती हैं। वह मानती हैं कि इतने साल बाद मास्क हटाने के बाद लोग ‘सेल्फ कॉन्शस’ हो चुके हैं, इसलिए उन्हें मुस्कराना सीखना पड़ेगा। उन्होंने अकेले जापान में करीब चार हजार लोगों को फिर से मुस्कराने की कला सिखाई है, लेकिन क्या मुस्कराहट या खुशी प्रशिक्षण का विषय है? मुस्कराना तो इंसान की खुशी को दर्शाता है। अमेरिका में जब 2019 में सेवा क्षेत्र के कर्मियों की मुस्कराने की आदत का अध्ययन किया गया, तो पाया गया कि नकलीपन के साथ सजी मुस्कराहट ज्यादा निराशा लाती है। लोग दफ्तर के बाद खाने-पीने और खरीदारी करने में ही खुशी ढूंढ़ने लगे हैं।

आज यह बड़ा सवाल हो गया है कि ‘न्यू नॉर्मल’ में कैसे स्वाभाविक खुशी लौटे? आत्मचिंतन करना चाहिए। क्या हम कोविड से पहले एक खुशहाल संसार में रह रहे थे? सुकरात हमेशा मानते थे कि बिना जांचे-परखे जीवन जीने लायक नहीं है। कठिन समय में भी खुशी से जीने की कोशिश करनी चाहिए। दुखद है, कोविड ने हमें दूरी बरतने और अकेले रहने के लिए मजबूर किया, इससे मनुष्य की एकजुटता पर तगड़ा प्रहार हुआ। हालांकि, ऐसे लोग भी हैं, जिन्होंने महामारी के एकांत में खुद को खोजा है। खुद को खोजने और खुश रहने की कोशिश सबको करनी चाहिए। पूछना चाहिए कि क्या हमारी खुद से अच्छी दोस्ती है? कोविड से पहले भी हम निश्चित रूप से हर चीज का पीछा कर रहे थे और आत्म-जागरूकता, आत्म-तर्क, शौक, रिश्तों के लिए हमारे पास समय नहीं था या समय की कमी थी। हम अपने जीवन की तुलना में अपने काम की ओर ज्यादा झुके हुए थे। अब हमें अपने पूर्वाग्रहों, विकल्पों और वरीयताओं को फिर से परखना होगा। जीवन का उद्देश्य ही जीवन है। हम शारीरिक रूप से सचेत रहकर, सही भोजन और वांछित आराम से, मानसिक रूप से जागरूक रहकर, पढ़ना-लिखना करके, दूसरों का दर्द सहानुभूति के साथ सुनकर और आध्यात्मिक रूप से जागरूक रहकर अपनी बेहतर देखभाल कर सकते हैं।

खुशी पाने के लिए प्रशिक्षण से ज्यादा आत्म चिंतन उस प्रेम और सेवा के भाव के लिए होना चाहिए, जो प्रकृति ने हमें मुफ्त में दिया है। एक फ्रांसीसी डिजाइनर कोको चैनल ने कहा था, ‘जीवन में सबसे अच्छी चीजें मुफ्त हैं। दूसरी सबसे अच्छी चीजें बहुत महंगी हैं।’ मुफ्त पानी, धूप और हवा के अलावा, निस्वार्थ सेवा और प्रेम के मानवीय मूल्य से हम मुस्कराहट को वापस ला सकते हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि सेवा व प्रेम से ही सामाजिक संबंध बनते और चलते हैं। 2002 में सकारात्मक मनोविज्ञान के दो अग्रदूत, एड डायनर व मार्टिन सेलिगमैन ने इलिनोइस विश्वविद्यालय में खुशी का जब अध्ययन किया, तो यह पाया कि सबसे खुश और अवसादहीन रहने वाले युवा छात्र अपने दोस्तों व परिवार के साथ मजबूत रिश्ते और उनके साथ समय बिताने के लिए प्रतिबद्ध थे। इजरायल में 2018 में हुए एक अध्ययन से यह साबित हुआ कि किसी की मुस्कराहट दूसरे को मुस्कराने पर तभी बाध्य कर सकती है, जब वह स्वाभाविक और सहज हो।

‘सिस्टर्स एंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका’, यह 1893 में शिकागो में विवेकानंद का उद्घाटन वक्तव्य था। यह भाव दुनिया में सभी के चेहरों पर मुस्कराहट लाने के लिए काफी है। ऐसे सहज भाव से मुस्कराते हुए ही दुनिया तमाम तरह की हिंसा और घृणा से बच सकती है। जापानी स्माइल कोच क्रॉनो मानती हैं कि खुशी की सबसे सहज अभिव्यक्ति मुस्कराहट ही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मजबूत डिजिटल बुनियाद से आसान हुई हमारी जिंदगी

नंदन नीलेकणि, प्रसिद्ध आईटी उद्यमी

कोविड-19 ऐसी युगांतकारी घटना रही है, जिसने दुनिया को बदल दिया। यहां तक कि महामारी खत्म होने के बाद भी यह दुनिया को आकार देती रहेगी। जाहिर है, यह हम सभी के लिए एक चेतावनी थी। हमने महसूस किया कि जिन चीजों को हम हल्के में लेते हैं, वे कितनी अहम हो सकती हैं। निर्माताओं को एहसास हुआ कि उनकी आपूर्ति-शृंखला कितनी केंद्रित थी, जिसके कारण उनको ‘चीन प्लस वन’ मॉडल पर विचार करना पड़ा। रेस्तरां, खुदरा व उपभोक्ताओं से सीधा वास्ता रखने वाले अन्य व्यवसायों में महसूस किया गया कि डिजिटल वैकल्पिक नहीं, बल्कि अपने ग्राहकों के साथ लेन-देन शुरू करने का मुख्य चैनल है। ऐसे दशकों पुराने कारोबार डूब गए, जिन्होंने डिजिटल पर जोर नहीं दिया। जिन कारोबारियों ने डिजिटल की तैयारी की, उनकी तरक्की हुई।

भारत में कोविड के दौरान बैंक अकाउंट से आधार लिंक होने के कारण ही करोड़ों लोग डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से सरकारी सहायता पा सके। हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण मंच कोविन बनाने में सक्षम रहा। कोविन की सहायता से न सिर्फ टीकाकरण के लिए स्लॉट बुक किए जा सकते थे, बल्कि टीका की अलग-अलग खुराक विभिन्न केंद्रों पर ली जा सकती थी। डिजिटल प्रमाणपत्र भी यहीं जारी किए जाते थे। ये ऐसी उपलब्धियां थीं, जिन्हें विकसित देश भी हासिल नहीं कर पाए थे। हमने यह सफलता इसलिए पाई, क्योंकि हमारे पास ऐसा डिजिटल बुनियादी ढांचा है, जो विभिन्न डिजिटल उत्पादों को एक-दूसरे से जोड़ता भी है। यह उन लोगों को भी सेवाओं का लाभ देता है, जो अन्यथा पीछे छूट जाते हैं। आधार ने लाखों लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल किया। यूपीआई जैसे ढांचे ने छोटे दुकानदारों को भी भौतिक दूरी रखते हुए लेन-देन की सुविधा दी।

आम लोगों तक डिजिटल दुनिया के विस्तार ने नवाचर को प्रोत्साहित किया। इससे भारतीय फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) बाजार में तेजी आई और छोटे-छोटे ऑनलाइन पेमेंट में भी मदद मिलने लगी। इन सबने वित्तीय समावेशन का ऐसा विस्तार किया कि 2009 में जहां बमुश्किल 20 फीसदी भारतीयों के पास बैंक अकाउंट थे, वहीं आज 80 फीसदी से अधिक भारतीय इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। भारत में सबसे अधिक डिजिटल भुगतान होता है। विगत जून में तो यहां 9.3 अरब लेन-देन हुए। डिजिलॉकर पर भी 17.93 करोड़ लोगों के 5.93 अरब डॉक्यूमेंट जारी किए गए। इस डिजिटलीकरण के कई फायदे हैं। पहला तो यही कि इससे उत्पादकता बढ़ती है। सितंबर, 2022 में अपने एक बयान में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा भी था कि फास्टटैग के कारण टोल प्लाजा पर प्रतीक्षा समय आठ मिनट से घटकर 47 सेकंड रह गया है।

दूसरा लाभ है, इस डाटा का उपयोग कर अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए कई राहें तैयार करना। 1.1 अरब खातों के कारण उनके डाटा निर्बाध साझा किए जा सकते हैं। ऋण अब मामूली लोगों की भी पहुंच में हैं। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का विस्तार स्वास्थ्य व वाणिज्य जैसे क्षेत्रों में भी होने लगा है। महामारी ने हमें सिखाया है कि दक्षता जरूरी है, पर इसका लचीला होना भी जरूरी है। आज विश्व को ऐसे कुशल राष्ट्र की जरूरत है, जिसका डिजिटल ढांचा उसे संकटों से बाहर निकलने में मदद करता हो। यही वजह है कि भारत जी-20 के नेतृत्व के दौरान एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हमारे पास जी-20 देशों के साथ साझा करने के लिए सबक, चुनौतियां और बेहतर संचालन व्यवस्था है। हम पहले से ही इंजीनियरिंग टैलेंट और आईटी सर्विस इंडस्ट्री के लिए चर्चित हैं। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत ने प्रौद्योगिकी के प्रति खुले, समावेशन और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। डिजिटल ढांचा ऐसा लचीला समाज बनाने में मदद करता है, जो अपने लक्ष्यों को तेजी से पा सकता है। सार्वजनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके और ज्ञान को साझा करके हम अन्य देशों की संप्रभुता को मजबूत ही करते हैं। इस प्रकार, भारत द्वारा डिजिटल बुनियादी ढांचे का अनुभव बांटना ‘एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य’ के दर्शन के साथ जुड़ा हुआ है।

(साथ में तनुज भोजवानी)

बैंक खाते में पैसे वापस आने के बाद चिटफंड पीड़ित निवेशकों के आंखों से निकले खुशी के आंसू

मनोज सिंह, सहायक संचालक

मुख्यमंत्री जी आपकी वजह से आज मुझे दूसरा जन्म मिल रहा है। मैं तो बेटी की पढ़ाई के लिए कर्ज में डूबी हुयी थी। चिटफंड कंपनी के झांसे में आकर मैने 15 लाख रुपए गंवा दिए थे। आज आपकी वजह से मुझे 8 लाख 55 हजार रूपए वापस मिल गए हैं। मैं इन पैसों से अपना कर्ज उतार दूंगी और अब अपनी बेटी को निश्चिंत होकर पढ़ा सकूंगी। ये बातें धमतरी की रहने वाली शशि सोनी ने वर्चुअल मोड मे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कही।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने चिटफंड निवेशकों की राशि लौटाने के न्याय योजना के अंतर्गत अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल मोड में हितग्राहियों से बात कर रहे थे। मुख्यमंत्री से बात करते हुए मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले के रामचंद्र निषाद ने बताया कि उनके पिता ने अपने जीवन की पूरी कमाई 14 लाख रुपए चिटफंड कंपनी में निवेश कर दी थी। उनके परिवार के पास कुछ नहीं बचा था, आज उनके खाते में 4 लाख 18 हजार रुपए वापस आए हैं। मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले के रहन वाले रामनरेश पटेल ने मुख्यमंत्री से कहा कि आज जो पैसे उनके खाते में आए हैं उन्हें देखकर मेरी आंखों में

खुशी के आंसू हैं और मैं जीवन भर आपका आभारी रहूंगा।

चिटफंड कंपनियों के झांसे मे आकर अपनी पूरी कमाई गंवा चुके लाखों निवेशकों ने कभी नहीं सोचा था कि ये पैसे उन्हें वापस भी मिलेंगे, लेकिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की दूरदर्शी सोच से न सिर्फ पीड़ितों को उनकी राशि वापस मिल रही है बल्कि दोषियों पर लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। ये कहानी सिर्फ शशि सोनी या फिर रामनरेश की ही नहीं है, बल्कि इस फर्जीवाड़े में पीड़ित के तौर पर शासकीय कर्मचारी और पढ़े लिखे अन्य लोग भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने पीड़ितों से बात करते हुए कहा कि आप लोगों ने अपनी खेती किसानी के पैसे, रिटायरमेंट के पैसे इस उम्मीद में निवेश किया था कि वो बढ़कर मिलेगा। लेकिन आपके साथ अन्याय हुआ। आपको न्याय मिले इसलिए दोषी लोगों पर कार्रवाई की गई जो आगे भी जारी रहेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश भी दिए कि बचे हुए मामलों में जल्द ही विधिक कार्रवाई को पूरी कराएं ताकि पीड़ित निवेशकों के पैसे वापस लौटाए जा सकें।

हद पार करता उन्माद

यह इतिहास-सिद्ध समझ है कि अगर किसी देश या समाज को उन्माद में उलझा दिया जाए, तो फिर उसे किसी दुश्मन की जरूरत नहीं रह जाती है। जब लोगों का एक बड़ा हिस्सा हर पल हिंसक सोच में उलझा रहे और उनमें से कुछ गाहे-बगाहे असल में हिंसा करने पर उतर आएं, तो जो माहौल बनता है, उसके बीच शांति, प्रगति, विकास आदि जैसी बातों के लिए कोई गुंजाइश नहीं बचती। दुर्भाग्य से भारत उसी दौर में प्रवेश करता दिख रहा है। उससे भी बड़े दुर्भाग्य की बात यह है कि जिन लोगों को देश की जनता ने राजकाज चलाने का दायित्व सौंपा है, वे ऐसी घटनाओं की निंदा करना तो दूर, कई बार उसे स्वीकृति प्रदान करते नजर आते हैं। उसका ही नतीजा जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में हुई अत्यंत दुखद घटना है। देश में कुछ ‘पाकिस्तान से संचालित होते हैं’ और अगर यहां रहना है, तो किन्हीं खास नेताओं को ही वोट देना होगा, अगर ये बातें गोलियां दाग कर कही जाने लगें, तो फिर यही कहा जाएगा कि नफरत का उन्माद हद पार करने लगा है।

अधिक दुखद यह है कि ऐसी भावनाएं सुरक्षाकर्मियों में प्रवेश करने लगी हैं, जिन पर देश में शांति और संवैधानिक व्यवस्था की रक्षा की बड़ी जिम्मेदारी है। जिस रोज यह घटना हुई, उसी दिन हरियाणा के नूह में एक धार्मिक यात्रा निकाल रहे लोगों की इस जिद से दंगा भड़क गया कि दूसरे समुदाय के लोग उनका स्वागत करें। इसके एक दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के बरेली में एक अन्य धार्मिक यात्रा में शामिल लोगों ने दूसरे धर्म के पवित्र स्थल के सामने से गुजरने की जिद की, तो वहां जिन पुलिस अधिकारी ने अपना कर्त्तव्य निभाया, दंडित करते हुए उनका ही तबादला कर दिया गया। यह सब उस समय हो रहा है, जब मणिपुर में नस्लीय विभाजन गृह युद्ध जैसी स्थिति बना चुका है। वहां जो हुआ, उसके पीछे राजनीतिक परियोजना के संकेत ढूंढना कठिन नहीं है। दरअसल, समस्या यही है कि देश में बना माहौल कानून-व्यवस्था की इक्का-दुक्का समस्याओं का परिणाम नहीं है, बल्कि उसके पीछे एक राजनीतिक मकसद के संकेत आसानी से ढूंढे जा सकते हैं।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के हित में बड़ा फैसला

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बिलासपुर के बहतराई स्टेडियम में संभागस्तरीय युवा सम्मेलन के दौरान छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के द्वारा लिए गए निर्णयों से युवाओं को अवगत कराया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली बहुविकल्पीय परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की माँग के आधार पर आयोग द्वारा निर्णय लिया गया है कि भविष्य में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में अभ्यर्थियों के वर्गवार कटआफसूची लिखित परीक्षा परिणाम के साथ जारी की जाएगी। इसके साथ ही आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में जिनमें इंटरव्यू के ज्यादा नंबर हैं उन्हें भी कम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि राज्य शासन युवा हित को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं चला रही हैं। हमने व्यापम और पीएससी में फीस माफ कर दी है। 4 माह में युवाओं को 112 करोड़ रुपए का बेरोजगारी भत्ता दिया गया है। 41 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। एसआई की भर्ती के नतीजे शीघ्र ही आ जाएंगे।

सीजीपीएससी की तैयारी के लिए बिलासपुर में खुलेगा हास्टल

मुख्यमंत्री से एक छात्रा ने कहा कि बिलासपुर में बड़ी संख्या में प्रदेश के दूसरे जिलों से छात्र - छात्राएं सीजीपीएससी की तैयारी करने आते हैं। इनके लिए एक हॉस्टल हो जाएगा तो बहुत अच्छी व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री ने इस सुझाव का स्वागत करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छा सुझाव है। अगले सत्र से हॉस्टल की सुविधा हो जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल से छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

संविदा कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल को लिया वापस

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने संविदा कर्मचारियों के वेतन में 27 प्रतिशत वृद्धि किए जाने के लिए आभार जताया और उन्हें विगत 3 जुलाई से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल को वापस लिए जाने की सूचना दी।

मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि पहली बार संविदा कर्मचारियों के वेतन में 27 प्रतिशत वृद्धि की गयी है। इस फैसले का लाभ छत्तीसगढ़ के समस्त विभागों एवं योजना में कार्यरत संविदा कर्मचारियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लगातार कर्मचारियों के हित में अनेक फैसले लिए जा रहे हैं। जहां एक ओर केंद्र के समान डीए और गृहभाड़ा सहित कई घोषणाएं कर्मचारियों के हित में की गई, वहीं अनुपूरक बजट में सबसे अधिक 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि का निर्णय संविदा कर्मचारियों के लिए लिया गया है। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने अपनी अन्य मांगों के विषय में ज्ञापन सौंपा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लौटाई चिटफंड के पीड़ित निवेशकों की राशि

पीड़ित निवेशकों को राशि लौटाने वाला देश का पहला राज्य है छत्तीसगढ़ः मुख्यमंत्री

आज 35 हजार 378 पीड़ित निवेशकों को लौटाई गई 4 करोड़ 13 लाख 88 हजार 996 रूपए की राशि

अब तक 81 हजार 204 पीड़ित निवेशकों को लौटाई गई 37 करोड़ 92 लाख 99 हजार 656 रूपए की राशि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने वायदे के अनुसार चिटफंड के पीड़ित निवेशकों को उनकी राशि लौटा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय से राज्य के 7 जिलों के 35 हजार 378 पीड़ित निवेशकों को 4 करोड़ 13 लाख 88 हजार 996 रूपए की राशि लौटाई गई। मुख्यमंत्री श्री बघेल के निर्देश पर अब तक राज्य के 81 हजार 204 पीड़ित निवेशकों को 37 करोड़ 92 लाख 99 हजार 656 रूपए की राशि लौटाई जा चुकी है, 208 चिटफंड कंपनियों के खिलाफ 462 प्रकरण दर्ज किए गए हैं और इनसे संबंधित 700 से अधिक डायरेक्टर्स/ पदाधिकारियों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने आज रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी, मनेंद्रगढ़ , कोरिया और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के 35,378 निवेशकों को चिटफंड कम्पनियों द्वारा हड़पी गई राशि लौटाई । इसमें रायपुर जिले के 13 हजार 676 निवेशकों को एक करोड़ 44 लाख 37 हजार रूपए, बिलासपुर जिले के 16 हजार 615 निवेशकों को आज 84 लाख 55 हजार रुपए की राशि वापस की गई है।

इसी तरह से राजनांदगांव जिले के 4835 निवेशकों को आज एक करोड़ 10 लाख रुपए और धमतरी जिले के 43 निवेशकों को 12 लाख 55 हजार की राशि वापस दी गई। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के 110 निवेशकों को 44 लाख 41 हजार 895 रूपए, कोरिया जिले के 94 निवेशकों को 17 लाख 18 हजार 960 रूपए और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ जिले के 5 निवेशकों को 54 हजार 100 रूपए की राशि का अंतरण किया गया है।

हितग्राहियों को आनलाइन संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां चिटफंड कंपनियों पर कार्रवाई करके पीड़ित निवेशकों का पैसा वापस लौटाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे द्वारा की गयी कार्रवाई को देखते हुए अब दूसरे राज्य भी हमसे ये पूछ रहे हैं कि ये कैसे संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सब कुछ राज्य की जनता के विश्वास के कारण ही संभव हो सका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने आपसे वादा किया था आपसे ठगी करके आपके खून-पसीने की कमाई लूटने वाली चिटफंड कंपनियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी और निवेशकों के पैसे लौटाए जाएंगे। हमने चिटफंड कंपनियों से निवेशकों की राशि लौटाने कार्ययोजना बनाई और इस पर अमल के लिए समयसीमा तय की। इस पर अधिकारी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और फर्जी कंपनियों पर लगातार कार्रवाई कर निवेशकों को राशि लौटाई जा रही है।

कार्यक्रम में आनलाइन जुड़े राज्य के गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने अपने संबोधन में कहा कि ये मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज वो पैसे निवेशकों को वापस मिल रहे हैं जिसके बारे में सोचना उन्होंने छोड़ दिया था। श्री साहू ने पीड़ित निवेशको को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री को विशेष तौर पर धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिव कुमार डहरिया ने अपने संबोधन मे कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर लगातार पीड़ित निवेशकों के पैसे वापस लौटाए जा रहे हैं और भविष्य में इस काम में और भी तेजी आएगी। श्री डहरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री राज्य की जनता से अपना वादा निभाने का काम बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं। पीड़ित निवेशकों की राशि लौटाने के न्याय योजना के दौरान छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अंकित आनंद, गृह विभाग के सचिव श्री बसव राजू, गृह विभाग के संयुक्त सचिव श्री अभिजीत सिंह, सीआईडी के आईजी श्री संजीव शुक्ला उपस्थित थे।

जशपुर जिले में खोला गया 7 युवा मितान कार्नर युवा क्लब के माध्यम से बढ़ाना है सहभागिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप जशपुर जिले के 7 विकासखंड में युवा मितान कार्नर खोला गया है। पत्थलगांव विधायक रामपुकार सिंह ने युवा मितान कार्नर का शुभारंभ किया। जिला प्रशासन ने सभी युवा मितान कार्नर में युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के युवा मितान कार्नर के लिए प्रत्येक विकासखण्ड को दो नग कम्प्यूटर, कैरम, बैट बाल, फूटबाल शतरंज सहित इनडोर और आउटडोर खेल सामग्री दी गई है। संगीत के क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं को हारमोनियम, गिटार, तबला सहित अन्य सामग्री दी गई। युवा लोग युवा कार्नर में आकार अपना पंजीयन करा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि राजीव युवा मितान क्लब योजना के माध्यम से गांवों, कस्बों के साथ-साथ शहरों में विभिन्न सांस्कृतिक, रचनात्मक गतिविधियां तथा छत्तीसगढ़ के रीति-रिवाजों को सहेजने और पारंपरिक खेलकूद के आयोजन से युवाओं की सहभागिता बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ राज्य में राजीव युवा मितान क्लब योजना की शुरुआत 3 फरवरी 2022 से हुई है। इसका उद्देश्य राज्य के युवाओं को संगठित करके उनकी ऊर्जा का उपयोग नवा छत्तीसगढ़ गढ़ने में करना है। यह युवा शक्ति को जोड़ने का बेहतर कार्य है। युवाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ की संस्कृति, पर्यावरण, खेल को आगे बढ़ाने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों को इसका लाभ दिलाने में मदद मिलेगी इसके साथ ही राज्य के प्रत्येक ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के वार्डों में चरणबद्ध रूप से राजीव मितान क्लब गठित किए गए हैं।

राजीव युवा मितान क्लब के संचालन के लिए प्रत्येक क्लब को प्रत्येक तीन माह में 25 हजार रुपए के मान से एक साल में रचनात्मक गतिविधियों के संचालन के लिए 1 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान है।

दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए स्पेशल एजुकेटर, नियुक्त करने पर होगा विचार

मुख्यमंत्री ने युवाओं से माँगे सुझाव, सुष्मिता दिवाकर ने रखा प्रस्ताव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकारी स्कूलों में दिव्यांग बच्चे भी बड़ी संख्या में एडमिशन ले रहे हैं। इनकी जरूरतें भी विशेष होती हैं और इसके लिए इन्हें स्पेशल एजुकेटर से पढ़ाया जाए तो बच्चों के लिए काफी उपयोगी होगा ही, दिव्यांग युवाओं के लिए भी नौकरी के लिए नये अवसर पैदा होंगे। यह बात एक युवा सुष्मिता दिवाकर ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बिलासपुर में आयोजित संभागस्तरीय भेंट मुलाकात कार्यक्रम में कही। सुष्मिता की बात की मुख्यमंत्री ने सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए बहुत सी पहल शासन ने की है। शासकीय स्कूलों में स्पेशल एजुकेटर नियुक्त करने का यह सुझाव अच्छा है। इस पर विचार करेंगे। सुष्मिता ने बताया कि जब हमें पता चला कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल युवाओं से बात करने बहतराई स्टेडियम पहुँचेंगे तो हमने निश्चय किया कि हम सब मुख्यमंत्री से मिलेंगे। हम लोगों को आशंका थी कि इतने लोगों के बीच में हमारी बात हो पाएगी की नहीं। फिर भी सौभाग्य से हमें अवसर मिल गया और हमने इसका जिक्र किया। सुष्मिता ने बताया कि प्रदेश में दिव्यांग बच्चों की संख्या 77 हजार 249 है। यहां प्रशिक्षित विशेष शिक्षकों की संख्या 1200 है। दिव्यांग बच्चों की आवश्यकता स्पेशल एजुकेटर ज्यादा बेहतर समझते हैं। उनके द्वारा दिये गये सुझावों से बच्चों की पढ़ाई और बेहतर हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन के लिए 21 प्रकार की दिव्यांगता चिन्हांकित की गई है और इसके अनुरूप दिव्यांग छात्र-छात्राओं का सर्वे किया गया है।

जैविक पद्धति से हो रही सुगंधित धान की खेती, कृषि भूमि से अधिकतम लाभ हासिल करने लगे किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोण्डागांव इलाके में बड़े पैमाने पर किसान जैविक पद्धति से धान की खेती के साथ-साथ फल एवं सब्जी का भी उत्पादन करने लगे हैं। जैविक तरीके से उत्पादन धान का बेहतर मूल्य मिलने की वजह से साल दर साल इसकी खेती का रकबा बढ़ते जा रहा है। जैविक धान को बेचने के लिए किसानों को मंडी और बाजार में जाने की जरूरत भी नहीं होती है। बाहर की आर्गेनिक कंपनियों के प्रतिनिधि किसानों से सीधे जैविक धान को नगद में खरीद लते हैं। कोण्डागांव में जैविक खेती को प्रोत्साहित करने और किसानों को इसके लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं मदद देने में दण्डाकारण्य एग्रो प्रोड्यूस कंपनी अहम रोल अदा कर रही है। यह कंपनी स्थानीय प्रगतिशील किसानों द्वारा संचालित है, जिसका उद्देश्य खेती को लाभकारी बनाने के साथ ही किसानों को शोषण से बचाना है।

दण्डाकारण्य एग्रो प्रोड्यूस कंपनी से जुड़ी प्रगतिशील महिला उद्यमी कृषक वेदेश्वरी शर्मा का कहना है कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए किसानों को दिए जा रहे प्रशिक्षण एवं मदद के चलते दिनो-दिन कंपनी से जुड़ने वाले किसानों की संख्या बढ़ती जा रही है। कोण्डागांव अंचल के लगभग 800 किसान इससे जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि किसान सिर्फ जैविक धान की खेती ही नहीं, बल्कि साग-सब्जी का उत्पादन भी करने लगे हैं। कृषि भूमि से अधिकतम लाभ कैसे अर्जित किया जाए, इसको लेकर भी किसानों को उनकी संस्था लगातार प्रेरित एवं प्रोत्साहित करती है। इसके चलते कोण्डागांव अंचल में फल, सब्जी एवं दलहन फसलों की खेती की ओर भी किसानों का रूझान बढ़ा है। कोण्डागांव ब्लॉक के करगी, कोकोड़ी, फरसगांव बेड़ा सहित दर्जनों गांवों के किसान सुगन्धित धान की खेती कर रहे हैं। किसान अब खेतों की मेड़ों पर भी फलदार पौधे, जिमीकंद, तिखूर, अरबी, दलहन आदि की खेती कर मुनाफा कमाने लगे हैं।

दण्डाकारण्य एग्रो प्रोड्यूस कंपनी की सदस्य एवं कामधेनु गौसेवा संस्था बड़ेकनेरा की संचालिका वेदेश्वरी शर्मा को जैविक खेती और गौसेवा के माध्यम से हजारों महिलाओं को न सिर्फ जोड़ा है, बल्कि उनके स्वावलंबन की सूत्रधार रही है। गौसेवा और जैविक खेती के प्रोत्साहन के उनके प्रयासों को गौसेवा आयोग से लेकर कई संस्थाओं ने न सिर्फ सराहा है बल्कि उन्हें सम्मानित भी किया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मार्गदर्शन में संचालित छत्तीसगढ़ सरकार की गौठान निर्माण और गोधन न्याय योजना की तारीफ करते हुए वह कहती है कि इसके माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण को बेहतर बनाया जा सकता है। छत्तीसगढ़ सरकार गोधन न्याय योजना ने गौ-सेवा और जैविक खेती को लेकर उनके उत्साह को दोगुना कर दिया है।

कोण्डागांव से 20 किलोमीटर दूर बड़ेकनेरा गांव में संचालित कामधेनु गौसेवा संस्था में सैकड़ों की संख्या में लावारिश एवं अशक्त गौवंशीय पशुओं की देख-भाल, उपचार एवं चारे-पानी का बेहतर प्रबंध है। इस गौशाला में पलने वाले गाय और बछड़ों को जरूरतमंद ग्रामीणों और किसानों को दान में दिए जाने का भी चलन है, ताकि इससे उन्हें आय के साथ-साथ जैविक खेती में मदद मिल सके। गौशाला में गोबर और गौमूत्र से जैविक खाद, जैविक कीटनाशक, फसल वृद्धिवर्धक जीवामृत तैयार करने के साथ-साथ कंडा, दीया, गमला भी बनाएं जाते हैं, ताकि यहां कार्यरत गौसेवकों एवं त्रिवेणी स्व-सहायता समूह की महिलाओं को अतिरिक्त आय हो सके। गौसेवा एवं कामधेनु गौ संस्था के बेहतर संचालन के लिए वेदेश्वरी शर्मा को भूंईया का भगवान अवार्ड और लाईफटाईम एचीवमेंट अवार्ड सहित अन्य कई सम्मान मिल चुके हैं।

घर बैठे ही लोगों को मिला 22 लाख स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा ड्राइविंग लायसेंस

आवेदकों को अब एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से भी आरसी तथा डीएल भेजने की दी जा रही जानकारी, घर बैठे ही नये फार्मेट में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए ऑनलाईन आवेदन की सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा नई सुविधा 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसके तहत जून 2021 से अब तक 21 लाख 93 हजार 623 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लायसेंस आवेदकों के घर भेजे जा चुके हैं। इनमें 14 लाख 94 हजार 171 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा 6 लाख 99 हजार 452 ड्राइविंग लायसेंस शामिल हैं।

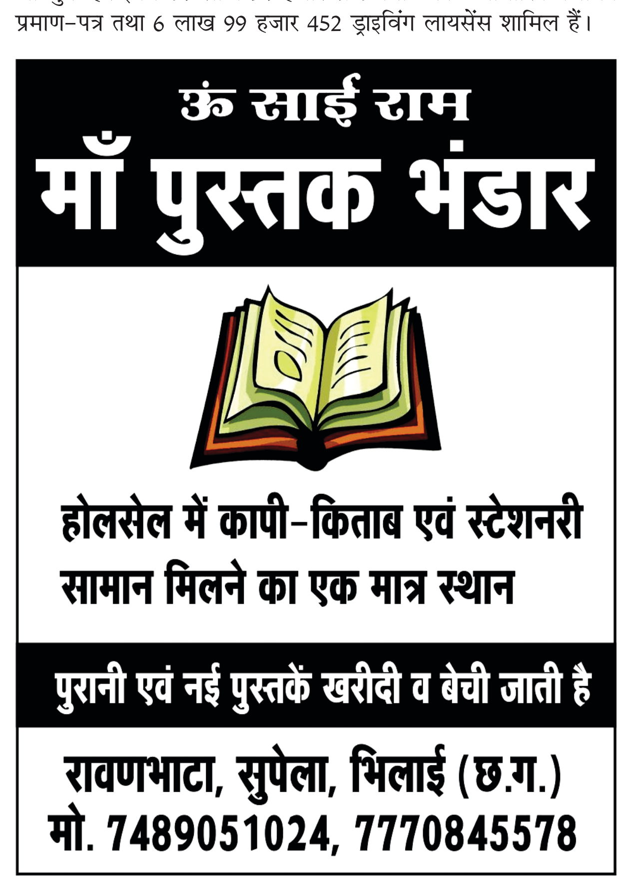

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में अब तक 520.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 520.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से आज 02 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1035.9 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 222.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 401.3 मिमी, बलरामपुर में 432.2 मिमी, जशपुर में 392.5 मिमी, कोरिया में 457.5 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 474.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 619.8 मिमी, बलौदाबाजार में 492.0 मिमी, गरियाबंद में 546.0 मिमी, महासमुंद में 562.7 मिमी, धमतरी में 579.8 मिमी, बिलासपुर में 491.2 मिमी, मुंगेली में 609.0 मिमी, रायगढ़ में 512.9 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 447.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 379.9 मिमी, सक्ती में 396.6 मिमी, कोरबा में 458.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 402.9 मिमी, दुर्ग में 427.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 393.5 मिमी, राजनांदगांव में 635.5 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 711.2 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 527.0 मिमी, बालोद में 632.0 मिमी, बेमेतरा में 376.6 मिमी, बस्तर में 597.4 मिमी, कोण्डागांव में 426.0 मिमी, कांकेर में 499.8 मिमी, नारायणपुर में 489.3 मिमी, दंतेवाड़ा में 689.0 मिमी और सुकमा में 845.8 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

राज्य को फाइलेरिया मुक्त बनाने में मीडिया का सहयोग आवश्यक : डॉ. सुभाष मिश्रा

रायपुर (ए)। राज्य में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। केंद्र व राज्य स्तर पर 2027 तक फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा गया है। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु मीडिया सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए आगामी 10 अगस्त से राज्य के फाइलेरिया प्रभावित 7 जिले (दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, जांजगीर चाम्पा, सक्ति, महासमुंद, मुंगेली) के 23 विकासखण्डों की 67 लाख आबादी को फाइलेरिया मुक्त करने के लिए सामूहिक दवा सेवन गतिविधि की शुरुआत की जा रही है। दवा सेवन गतिविधि के प्रति जन-मानस में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने के लिए रायपुर स्थित पुराने डीएचएस भवन के डीकेएस परिसर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन में मीडिया सहयोगी संस्था ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीज के समन्वय से प्रमुख मीडिया संस्थानों के सम्पादकों , उप-सम्पादकों एवं ब्यूरो चीफ को फाइलेरिया रोग के प्रति और अधिक संवेदनशील करने के लिए एडिटर्स मीट का आयोजन किया गया।

किशोर न्याय अधिनियम के तहत छत्तीसगढ़ बाल कोष गठित

रायपुर। किशोर न्याय निधि के प्रावधान अनुसार राज्य में बच्चों के सर्वोत्तम हित में छत्तीसगढ़ बाल कोष का गठन किया गया है। छत्तीसगढ़ बाल कोष में बालकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए दान, अनुदान, अंशदान के माध्यम से सहयोग राशि दी जा सकती है। इस राशि का उपयोग किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानों के तहत आने वाले बच्चों की शिक्षा-दीक्षा, पुनर्वास जैसे उनके सर्वोत्तम हित में खर्च किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ बाल कोष के क्रियान्वयन के संबंध में सभी कलेक्टरों और जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समितियों को अधिसूचना दिनांक 23 मार्च 2022 के माध्यम से विस्तृत दिशा निर्देश जारी किये गये हैं। राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास द्वारा बच्चों के हित के लिए दान, अनुदान, अंशदान प्राप्त करने हेतु राज्य स्तर पर आईसीआईसी बैंक में खाता संख्या 251501000259, आईएफएसआई संख्या ICICI0002515 का संचालन किया जा रहा है। इस कोष में किसी व्यक्ति, समूह, संस्था (जिसमें स्वयंसेवी संस्था, संगठन, गैर-सरकारी संस्था, ट्रस्ट आदि, कॉर्पोरेट्स द्वारा स्वैच्छिक रूप से दान, अंशदान, अनुदान दिया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल के स्वशासी समिति के सामान्य परिषद की ली बैठक

नए मेडिकल उपकरण और सभी विभागों में पर्याप्त संख्या में मानव संसाधन की व्यवस्था पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री टीएस सिंहदेव की अध्यक्षता में रायपुर के पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के स्वशासी समिति के सामान्य परिषद की बैठक हुई। उन्होंने रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित बैठक में मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल में लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने नए मेडिकल उपकरण और सभी विभागों में पर्याप्त संख्या में मानव संसाधन की व्यवस्था पर जोर दिया।

सामान्य परिषद की बैठक में मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीटों में हुई वृद्धि को देखते हुए सभी विभागों में सर्वसुविधायुक्त नए लेक्चर हॉल के निर्माण की मंजूरी दी गई। इसके लिए बैठक में दो करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई। विधायक सत्यनारायण शर्मा और कुलदीप जुनेजा, चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी. पिल्लै, सचिव पी. दयानंद और रायपुर संभाग के आयुक्त डॉ. संजय अलंग भी बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने बैठक में मेडिकल कॉलेज और चिकित्सालय के लिए राज्य शासन द्वारा प्रदान किए गए बजट का पूर्ण उपयोग करने को कहा। उन्होंने राज्य शासन के बजट के बाद ही स्वशासी मद की राशि का उपयोग करने को कहा। बैठक में डॉ. भीमराव अम्बेडकर चिकित्सालय में ईसीजी टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन तथा एक्स-रे टेक्नीशियन के रिक्त पदों पर भर्ती की मंजूरी दी गई। सामान्य परिषद की बैठक में ईएनटी विभाग द्वारा संचालित बीएएसएलपी पाठ्यक्रम के लिए उपकरणों, फर्नीचर, पुस्तकों और जर्नल्स की खरीदी के लिए 72 लाख रूपए की मंजूरी दी गई। बायोकेमिस्ट्री विभाग द्वारा संचालित एमएससी पाठ्यक्रम के लिए 27 लाख रूपए और फिजियोथेरेपी कॉलेज के संचालन के लिए स्वशासी मद से 28 लाख रूपए की भी स्वीकृति बैठक में प्रदान की गई।

पंडित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय की सामान्य परिषद की बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के संशोधित बजट, विभिन्न विभागों के लिए उपकरणों एवं फर्नीचर की खरीदी, स्मार्ट क्लास रूम, लैब तथा डिमांस्ट्रेशन रूम के लिए उपकरण एवं फर्नीचर तथा इस वर्ष नवम्बर में आयोजित होने वाले चिकित्सा महाविद्यालय के डायमंड जुबली कार्यक्रम पर भी चर्चा हुई। वहीं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के सामान्य परिषद की बैठक में चिकित्सालय में कलेक्टर दर पर कार्यरत स्टाफ नर्स और मजदूरों के लंबित ईपीएफ राशि के भुगतान, कार्डियोलॉजी, सीटीव्हीएस, रेडियोडायग्नोसिस तथा आर्थोपेडिक्स विभागों के हाई कास्ट इम्प्लांट के स्वशासी मद से भुगतान पर भी चर्चा की गई।

अस्पताल प्रबंधन से आवश्यक कार्यवाही करने का किया आग्रह

सामान्य परिषद की बैठक में राज्य सभा सांसद रंजीत रंजन के प्रतिनिधि के रूप में शामिल विकास तिवारी ने जानकारी दी कि रंजन ने पिछले दिनों डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल के एडवांस्ड कार्डिएक यूनिट का भ्रमण किया था। उन्होंने यहां मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे इलाज की सराहना की है। सांसद रंजन ने अपने सांसद मद से एसीआई में करीब एक करोड़ रूपए की लागत के 29 फुल्ली मोटराइज्ड बेड प्रदान करने की बात कही है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से इसके लिए आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया है। सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक चंद्रकांत वर्मा, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. विष्णु दत्त, पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय की डीन डॉ. तृप्ति नागरिया और डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एसबीएस नेताम भी सामान्य परिषद की बैठक में उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की अध्यक्षता में डीकेएस पीजी इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर की प्रबंधकारिणी एवं सामान्य सभा की हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री टीएस सिंहदेव ने रायपुर के नवीन विश्राम भवन में डीकेएस पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर की स्वशासी संस्था की प्रबंधकारिणी एवं सामान्य सभा की बैठक ली। उन्होंने बैठक में स्वशासी संस्था के प्रस्ताव पर जिला अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा रिफर किए जाने वाले पीडियाट्रिक सर्जरी के मरीजों को इलाज के लिए प्रथमत: डीकेएस पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर में रिफर करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीकेएस अस्पताल के पीडियाट्रिक ओटी, गैस्ट्रो सर्जरी और न्यूरो सर्जरी ओटी के लिए खरीदे जाने वाले मेडिकल उपकरणों के प्रस्ताव यथाशीघ्र शासन को भेजने कहा, ताकि इनका परीक्षण कर खरीदने की कार्यवाही की जा सके।

उप मुख्यमंत्री सिंहदेव ने बैठक में डीकेएस अस्पताल में वेंडरों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं हाउसकीपिंग, पैथोलॉजी, एमआरडी, मेडिसीन एंड सर्जिकल सप्लाई, डाइट्री सेवा, सिक्योरिटी सर्विस, डायलिसिस सर्विस और लॉन्ड्री सेवा, जिनके टेंडर की अवधि समाप्त होने वाली हैं, उनके लिए नए टेंडर जारी करने को कहा। बैठक में प्रबंधकारिणी एवं सामान्य सभा की पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी. पिल्लै, सचिव पी. दयानंद, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक चंद्रकांत वर्मा, चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक डॉ. विष्णु दत्त, पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय की डीन डॉ. तृप्ति नागरिया, डीकेएस अस्पताल की अधीक्षक डॉ. शिप्रा शर्मा, उप अधीक्षक डॉ. हेमंत शर्मा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. एसबीएस नेताम, रायपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश चौधरी और राज्य सभा सांसद रंजीत रंजन के प्रतिनिधि विकास तिवारी भी बैठक में उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर जिलों में होंगे कार्यक्रम, कलेक्टरों को निर्देश जारी

'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' की दूसरी किश्त होगी जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 9 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों में विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम गरिमापूर्वक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सभी जिला कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों की 5 हजार 633 पंचायतों को 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' के तहत द्वितीय किश्त 2 करोड़ 81 लाख 65 हजार रुपए की राशि उनके बैंक खातों में अंतरित करेंगे। प्रत्येक पंचायत को 5 हजार रुपए की मान से द्वितीय किश्त दी जाएगी। पंचायतों को 'मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना' योजना के तहत प्रतिवर्ष दी जाने वाली 10 हजार रुपए की आर्थिक सहायता का उद्देश्य आदिवासी तीज-त्यौहारों का गांव में गरिमामय आयोजन सुनिश्चित करना है।

जारी निर्देश में कहा गया है कि जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी स्थानीय जनप्रतिनिधियों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि को भी आमंत्रित किया जाय। विशेषकर अनुसूचित क्षेत्र के पंच-सरपंचों को आमंत्रित करें। कार्यक्रम में वन अधिकार पत्र, सामुदायिक वन अधिकार पत्र और वन संसाधन अधिकार पत्र का वितरण किया जाएगा। व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारियों को ऋण पुस्तिका प्रदान की जाएगी। वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लक्ष्य अनुरूप चिन्हांकित ग्रामों को आदर्श ग्राम के रूप में घोषित किए जाने की कार्यवाही की जाएगी।

जारी निर्देश में यह भी कहा गया है कि छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के स्वीकृत हितग्राहियों को ऋण वितरित किया जाए। कृषि एवं बागवानी विभाग द्वारा स्वीकृत कृषि आदान, बीज, उपकरण भी प्रदान किए जाएं। जिन जिलों में मनरेगा के तहत भूमि समतलीकरण, तालाब गहरीकरण, डबरी निर्माण आदि का कार्य किया जाना है, उनके लिए स्वीकृति आदेश जारी किया जाए।

वन विभाग द्वारा हितग्राही मूलक कार्यक्रम है तो उनका भी वितरण किया जाए। जिले में अनुसूचित जनजाति के हितार्थ उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्था अथवा व्यक्ति विशेष को सम्मानित, पुरस्कृत किया जाए। सम्मान स्वरूप प्रमाण पत्र भी स्थानीय स्तर पर प्रदान किया जा सकता है।

प्रियांशी को अब पढ़ने के लिए मीलों सफर तय करना नहीं पड़ता

सुदूर वनांचल के 7 हजार बच्चों को मिल रही स्वामी आत्मानंद स्कूल में अंग्रेजी शिक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल का उद्देश्य शहरों के साथ दूरस्थ अंचल के ग्रामीण बच्चों को महानगरों की तर्ज पर अच्छी शिक्षा देना है। आज सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूल के बच्चें भी फराटे दार अंग्रेजी बोल रहे। दुर्गम क्षेत्र जहां कभी स्कूल जाने के लिए मीलों सफर तय करना पड़ता था अब स्कूल स्वयं गांव तक पहुंच गई है। कोण्डागांव जिले के सुदूर अंचल में बसे मर्दापाल में पढ़ने वाली प्रियांशी को अब मीलों सफर तय करना नहीं पड़ता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा से गांव में ही मिल रही बच्चों को अंग्रेजी में अच्छी शिक्षा ऐसी ही एक कहानी है प्रियांशी साहू की। मर्दापाल गांव में ही आठवीं तक अंग्रेजी माध्यम स्कूल में शिक्षा प्राप्त करके क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम स्कूल न होने के कारण उसका दाखिला बड़े भाई द्वारा कोण्डागांव के जामकोटपारा स्थिति स्वामी आत्मानंद स्कूल में करा दिया गया था।

जिसके कारण प्रियांशी को मर्दापाल से 32 किमी. लम्बी दूरी तय करनी पड़ती थी। पिता के अभाव में स्वयं का व्यवसाय करने वाले बड़े भाई शिवराम साहू द्वारा प्रतिदिन बहन को स्कूल तक छोड़ना संभव नहीं हो पाता था। ऐसे में कई बार अकेले स्कूल जाना पड़ता था। कड़ी मेहनत और लगन से प्रियांशी ने प्रथम श्रेणी से कक्षा 9 उत्तीर्ण कर ली। इस दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मर्दापाल आगमन होने पर क्षेत्र की जनता द्वारा स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की मांग की गई। शिक्षा सत्र 2023-24 में स्कूल का संचालन प्रारंभ हो गया और प्रियांशी को कक्षा दसवीं में प्रवेश दिया गया। प्रियांशी ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि उसे अब पढ़ाई के लिए कई किलोमीटर लम्बी दूरी तय करके कोण्डागांव प्रतिदिन नहीं जाना पड़ता। उसके गांव में ही स्कूल खुल जाने से बहुत खुश हैं। उल्लेखनीय है कि कोण्डगांव जिले में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए 14 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें नवीन 06 स्कूलों को इसी सत्र से प्रारंभ किया गया है। स्कूल में 7 हजार से अधिक बच्चे अध्ययनरत है। जिले के सुदूर संवेदनशील ग्रामों जैसे कोनगुड, धनोरा, मर्दापाल में बच्चों को उत्कृष्ट अंग्रेजी शिक्षा मिल रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

क्या सीढ़ियां चढ़ते वक्त हांफने लगते हैं आप? तो हो सकता है इन 5 में से 1 बीमारी ने बना लिया है शिकार!

सांस चल रही है तो आदमी जिंदा है। इसलिए कभी खतरनाक बीमारी आपके शरीर में एंट्री करती है तो सबसे पहले तकलीफ सांस लेने में होने लगती है। जैसे- अगर आपको सीढ़ी चढ़ते वक्त सांस फूलने लगता है या किसी भी तरह की असुविधा होती है। या पैदल चलने या छोटा-मोटा काम करने में आप परेशान हो जाते हैं और सांस फूलने लगती है तो यह खतरनाक बीमारी के गंभीर लक्षण हो सकते हैं।

हेल्थडायरेक्ट के मुताबिक फेफड़ों की बीमारी, दिल की बीमारी, लंग्स या हार्ट में इंफेक्शन, पैनिक अटैक और फेफड़ों की नस में ब्लॉकेज होने पर सांस लेने में तकलीफ होने लगती है और यही वजह है कि जब आप सीढ़ी या तेज चलते हैं तो सांस फूलने लगता है।

सीने में किसी भी तरह की तकलीफ हो रही है तो तुरंत डॉक्टर से मिलें

सांस फूलने के साथ-साथ खांसी, घबराहत, सीने में दर्द या जकड़न, सीने में दर्द होना, छींक आना, बंद नाक और गले में दर्द की वजह से आप असहज महसूस करने लगते हैं। इसलिए इन लक्षणों को हल्के में न लें बल्कि बिना समय गवाएं तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

बदलते मौसम में खास ख्याल रखें

आजकल बहुत तेजी से मौसम बदल रहे हैं। ऐसे में सांस की बीमारी बहुत खतरनाक हो जाती है। इस वक्त वायरस और बैक्टीरिया का खतरा ज्यादा हो जाता है। जो आपकी सांस की नली में सूजन होने लगता है।

स्मोकिंग या जंक फूड न खाएं

स्मोकिंग, ड्रिंक, जंक फूड ज्यादा खाने से सांस की तकलीफ शुरू हो सकती है। इसलिए फैट वाले फूड को छोड़ देना चाहिए। यह बीमारी को गंभीर बना सकते हैं।

फेफड़ों को डिटॉक्स करने के लिए इन सब्जी और फल को डाइट में करें शामिल

फेफड़ों को मजबूत बनाने के साथ-साथ डिटॉक्स करने के लिए जरूरी है एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लामेटरी फूड। इसलिए अपनी डाइट में हल्दी, टमाटर, खट्टे फल, कद्दू, सेब, चुकंदर को शामिल करें।

फेफड़ों की सफाई करता है अदरक

बिना तकलीफ के सांस लेना है तो फेफड़ों की सफाई जरूर करें। इसलिए हर दिन अदरक, नींबू और शहद से बनी हर्बल टी पिएं। यह फेफड़ों की नसों को रिलैक्स करने के साथ-साथ गंदगी भी निकालता है।

राजपाल यादव की नॉनस्टॉप धमाल का पहला पोस्टर जारी रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

राजपाल यादव की फिल्म नॉनस्टॉप धमाल पिछले कुछ वक्त से लगातार चर्चा में है। इसमें अन्नू कपूर, असरानी, मनोज जोशी, प्रियांशु चटर्जी, वेरोनिका वानीज और जियोर्जिया एंड्रियानी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। अब निर्माताओं ने नॉनस्टॉप धमाल का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें सभी सितारे मस्ती-भरे अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। इसके साथ निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। नॉनस्टॉप धमाल 18 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्देशन इरशाद खान द्वारा किया जा रहा है, जबकि सुरेश गोंडालिया फिल्म के निर्माता हैं। इसकी कहानी भी इरशाद ने लिखी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नॉनस्टॉप धमाल की कहानी बॉलीवुड के पीछे की फिल्मी दुनिया पर आधारित होगी, जिसमें सभी कलाकार हास्य का तड़का लगाते नजर आएंगे। इसके अलावा आने वाले दिनों में राजपाल ड्रीम गर्ल 2 और काम चालू है में भी नजर आएंगे।

सनी देओल की गदर 2 की एडवांस बुकिंग शुरू, 11 अगस्त को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म को यूए सर्टिफिकेट मिल चुका है, जिसका मतलब है कि इसे कोई भी देख सकता है। 11 अगस्त को यह मूवी रिलीज हो रही है। ऐसे में मंगलवार से फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई। गदर 2 के एडवांस बुकिंग के पहले दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं, जो इस बात की ओर इशारा करते हैं कि फिल्म को कितने करोड़ की ओपनिंग मिल सकती है। गदर 2 की घोषणा के बाद से ही लोगों में एक बार फिर तारा सिंह (सनी देओल) और सकीना (अमीषा पटेल) की अमर प्रेम कहानी के आगे के हिस्से को देखने का उत्साह बढ़ गया। फिर ट्रेलर ने यह एक्साइटमेंट लेवल और बढ़ा दिया।

फिल्म की एडवांस बुकिंग भी इसी ओर इशारा कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, केवल ओपनिंग डे के लिए गदर 2 फिल्म के 10 हजार टिकट्स बिक गए हैं। इनसे अभी तक 25 लाख तक की सेल्स हुई है। फिल्म डायरेक्टर अनिल शर्मा ने एडवांस बुकिंग पर अपडेट दिया है। जबकि, आईनॉक्स, पीवीआर और बाकी मल्टिप्लेक्स में बुकिंग बुधवार शाम से शुरू होगी। गदर 2 को इस कदर प्यार देने के लिए अनिल शर्मा ने ऑडियंस का शुक्रिया अदा किया है। बता दें कि गदर 2 में एक बार फिर सनी देओल तारा सिंह और अमीषा पटेल सकीना के किरदार में नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में तारा अपने बेटे के लिए बॉर्डर पार जाते दिखेंगे।

पारंपरिक पहनावे को छोड़ ट्रेंडी कपड़े पहनने लगी खुशी दुबे

पारंपरिक पहनावे में देखा है। लेकिन, अब आशिकाना सीजन 4 में उनका किरदार चिक्की नैन्सी रूए के उपन्यास से प्रेरित है। जिसमें वह ट्रेंडी कपड़े और जूते पहने हुए दिखाई दे रही हैं। शो में अपने लुक के बारे में बात करते हुए खुशी ने कहा, इस सीजन में मेरा लुक एक फ्यूजन है। इसमें वेस्टर्न ड्रेसेज, बूट्स और सुपर कूल लुक है जो हमने नैन्सी के उपन्यासों में देखा था। नैन्सी एक अमेरिकी उपन्यासकार हैं जो 12 वर्षीय लिली रॉबिंस के उपन्यासों की लिली सीरीज के लिए जानी जाती हैं। वह सोफी सीरीज के लिए भी जानी जाती हैं।

खुशी ने अपने लुक के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, हमने इसे खूबसूरत और स्मार्ट रखा है और इसमें थोड़ा अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल किया है। यह थोड़ा सरल, लेकिन ग्लैमरस है। इसका लुक और अहसास किसी भी अन्य जासूसी लुक की तरह ही है, स्मार्ट कैजुअल और सेक्सी।

कहानी आधुनिक दुनिया और पुरानी दुनिया के रीति-रिवाजों को बताती है। इस रहस्यमय कहानी में जैन इबाद खान (यश के रूप में), और खुशी (चिक्की के रूप में) मुख्य भूमिका में हैं।

इसमें अनुभवी अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी के साथ जयति नरूला, इंद्रजीत मोदी और गीता त्यागी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सीजन के बारे में बात करते हुए, ज़ैन ने साझा किया कि असामान्य गतिविधियों के बारे में लोगों की हमेशा अलग-अलग राय रही है। कुछ को यह सच लगता है, कुछ को यह विज्ञान लगता है। जबकि आशिकाना हमेशा रोमांच और रहस्यों से भरी यात्रा रही है, इस सीजन में यश और चिक्की एक ऐसी ही घटना में फंसते नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, यश को बिल्कुल अलग लुक में दिखाया गया है, क्योंकि वह आधुनिक दुनिया और पुराने रीति-रिवाजों के बीच संबंध बनाते हैं, जिससे दर्शकों के मन में विचार और सवाल आते हैं।

सीरीज की निर्देशक गुल खान ने कहा कि आशिकाना के प्रत्येक बढ़ते सीजन के साथ, हमें शो के लिए अपार प्यार और सराहना मिली है, जिससे हमें नए पात्रों और नए कथानक को पेश करने में मदद मिली है। गुल ने कहा, यह सीजन कई गहरे रहस्यों से परे है।

जेन के स्टूडियोज द्वारा निर्मित, आशिकाना सीजन 4 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है।

गन्स एंड गुलाब्स का ट्रेलर जारी राजकुमार राव का दिखा धाकड़ अंदाज

राजकुमार राव पिछले कुछ वक्त से अपनी वेब सीरीज गन्स एंड गुलाब को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसका निर्देशन जानी-मानी निर्देशक जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डीके ने किया है। अब निर्माताओं ने गन्स एंड गुलाब का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें सभी कलाकारों के अंदाज ने सीरीज के लिए दर्शकों की उत्सुकता को और ज्यादा बढ़ा दिया है। गन्स एंड गुलाब नेटफ्लिक्स पर आएगी। यह सीरीज 18 अगस्त को रिलीज होने वाली है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने ट्विटर पर गन्स एंड गुलाब का ट्रेलर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, अपनी पिस्तौल तैयार रखें क्योंकि इससे ज्यादा रोमांस, कॉमेडी और एक्शन कहीं नहीं मिलेगा। गन्स एंड गुलाब्स क्राइम-रोमांटिक-ड्रामा सीरीज है। इसमें राजकुमार के अलावा दुलकर सलमान, गुलशन देवैया और आदर्श गौरव जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसकी कहानी सुमन कुमार ने लिखी है।

गन्स एंड गुलाब्स क्राइम-रोमांटिक-ड्रामा सीरीज है। राज और डीके द्वारा निर्मित इस वेब शो में अभिनेता राजकुमार राव, पानाधारी टीपू की भूमिका में नजर आने वाले हैं। मोशन पोस्टर में अभिनेता अपने लुक और अंदाज से 90 के दशक की याद दिला रहे हैं। पोस्टर को साझा करते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया ने कैप्शन में लिखा है, पाना लेकर आ रहा हूं, दिलों पर राज करने। स्वागत तो करोगे ना ? गन्स एंड गुलाब का धमाकेदार ट्रेलर, सिर्फ तीन दिनों में आपके पास आ रहा है।

गन्स एंड गुलाब्स वेब सीरीज में राजकुमार राव का किरदार टीपू अपने प्यार और दोस्ती के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार रहता है। वहीं, इस मोशन पोस्टर ने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। इसे देखने के बाद फैंस उनके शक्तिशाली और आकर्षक व्यक्तित्व को एक्शन में देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। यह शो पानाधारी टीपू के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसे बहुमुखी अभिनेता राजकुमार राव ने निभाया है।

शुगर का मीटर करना है डाउन तो स्नैक्स में खाएं ये 5 हेल्दी फूड

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसका कोई इलाज नहीं है। ये आपके जीवनभर आपके साथ ही रहेगी। हालांकि इसे सही खानपान और सही लाइफस्टाइल को फॉलो करके कंट्रोल में रखा जा सकता है। शुगर के मरीजों को खाने पीने में काफी परहेज होती है। ऐसे में आज हम आपको उन पांच हेल्दी स्नैक्स की जानकारी दे रहे हैं जिन्में पोषक तत्व की भरपूर मात्रा होती है और इससे ब्लड शुगर लेवल पर भी ज्यादा असर नहीं पड़ता है।

पॉपकॉर्न:-डायबिटीज के मरीज स्नैक्स में पॉपकॉर्न भी खा सकते हैं। इससे कई सारे फायदे मिलते हैं। पॉपकॉर्न का ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम होता है, जो ब्लड शुगर को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें स्वास्थ्य साबुत अनाज, कम कैलरी और भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

बादाम:- डायबिटीज के मरीज स्नैक्स में बादाम का सेवन कर सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 30 ग्राम बादाम में 15 विटामिन और मिनरल होते हैं। रिसर्च में दावा किया गया है कि डायबिटीज से पीड़ित जिन लोगों ने 12 हफ्ते तक रोजाना बादाम खाए उनमें इन्सुलिन रेजिस्टेंस कम पाया गया और पैंक्रियास की एक्टिविटी में भी सुधार हुआ, जिससे ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन रखने में मदद मिली। एक्सपर्ट के मुताबिक डायबिटीज के मरीज 1 दिन में 6 से 8 बादाम खा सकते हैं। बेहतर तरीका है कि रात में इसे पानी में भिगो दें और सुबह इनका छिलका उतारकर सेवन करें।

भुना चना:- डायबिटीज के मरीजों के लिए भुना हुआ चना खाना भी फायदेमंद हो सकता है। चने में घुलनशील और घुलनशील दोनों तरह के फाइबर पाए जाते हैं। ये फाइबर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता हैं। चने का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी काफी कम यानी के 28 होता है। इसलिए भी ये डायबिटीज मरीजों के लिए हेल्दी फूड की लिस्ट में गिना जाता है। इसे खाने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है।

एवोकाडो:- एवोकाडो खाना भी काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें फाइबर और मोनो सैचुरेटेड फैटी एसिड ज्यादा होती है जिसे खाने के बाद ब्लड शुगर तेजी से कंट्रोल होता है। एवोकाडो का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में मदद मिलती है।

चिया सीड्स:- डायबिटीज के मरीज चिया सीड्स से बने हलवे का सेवन कर सकते हैं। यह ब्लड शुगर को स्टेबलाइज करने में मदद करता है आपको बता दें कि चिया सीड में ओमेगा 3 फैटी एसिड, फाइबर और मैग्नीशियम का बड़ा स्त्रोत होता है। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज की जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं।

जंपसूट में हिना खान ने शेयर किया ग्लैमरस अवतार कातिलाना अंदाज देख फैंस हुए मदहोश

टीवी एक्ट्रेस हिना खान हमेशा अपनी बोल्ड और ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस को अपनी ओर रिझाना बखूबी से जानती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। बताते चलें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक्ट्रेस हिना खान फैशन आइकॉन हैं और आए दिन अपनी बोल्ड लुक्स की तस्वीरों से सोशल मीडिया का पारा गर्म कर रही हैं। हालिया फोटोशूट की तस्वीरों में एक्ट्रेस हिना खान ने जंपसूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। हिना खान ने अपनी इन तस्वीरों में एक से बढ़कर एक स्टनिंग लुक्स में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की हॉटनेस देखकर फैंस उनकी हर एक कातिलाना अदाओं पर अपना दिल हार गए हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग जमकर लाइक्स करते हैं। ओपन हेयर और ग्लॉसी मेकअप कर के एक्ट्रेस हिना खान ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। हिना खान जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक को काफी फॉलो करते हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

जी-20 सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : जब महिलाएं समृद्ध होती हैं, तो दुनिया समृद्ध होती है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण पर जी-20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को किया संबोधित

रायपुर (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को वीडियो संदेश के माध्यम से गुजरात के गांधीनगर में आयोजित महिला सशक्तिकरण पर जी-20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि जब महिलाएं समृद्ध होती हैं तो दुनिया समृद्ध होती है। उन्होंने कहा कि उनका आर्थिक सशक्तिकरण विकास को बढ़ावा देता है और शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाती है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका नेतृत्व समावेशिता को बढ़ावा देता है और उनकी आवाज सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला-केंद्रित विकास दृष्टिकोण के माध्यम से है और भारत इस दिशा में असीम प्रगति कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु स्वयं एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि वह विश्वौ के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करती हैं और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रक्षा बल के सर्वोच्च कमांडर के रूप में काम करती हैं, भले ही वह एक सामान्ये जनजातीय पृष्ठभूमि की हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की इस जननी में 'मतदान का अधिकार' शुरू से ही भारतीय संविधान में महिलाओं सहित सभी नागरिकों को समान रूप से प्रदान किया गया था और समानता के आधार पर चुनाव लड़ने का अधिकार भी दिया गया था।

नर्वाचित महिला प्रतिनिधि सामाजिक परिवर्तन की प्रमुख कारक

प्रधानमंत्री ने कहा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधि आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक परिवर्तन की प्रमुख कारक रही हैं। उन्हों ने कहा कि भारत में ग्रामीण स्थानीय निकायों में निर्वाचित प्रतिनिधियों में 46 प्रतिशत महिलाएं हैं, जिनकी संख्या 1.4 मिलियन है। यह रेखांकित करते हुए कि स्व-सहायता समूहों में महिलाओं को प्रेरित करना भी बदलाव के लिए एक शक्तिशाली कारक रहा है, प्रधानमंत्री ने महामारी के दौरान हमारे समुदायों के लिए स्वयं सहायता समूहों और निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के सहायता के स्तंभ के रूप में उभरने पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने उनकी उपलब्धियों का उदाहरण दिया और मास्क और सैनिटाइजर के निर्माण और संक्रमण की रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने का उल्लेख किया। उन्हों ने कहा, भारत में 80 प्रतिशत से अधिक नर्स और दाईयां महिलाएं हैं। महामारी के दौरान,वे हमारी रक्षा की अग्रिम पंक्ति थीं और हमें उनकी उपलब्धियों पर गर्व है।

70 प्रतिशत श्रण महिलाओं को मंजूर किए गए

प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत सूक्ष्म स्तर की इकाइयों की सहायता करने के लिए एक मिलियन रुपये तक के लगभग 70 प्रतिशत श्रण महिलाओं को मंजूर किए गए हैं। इसी तरह, स्टैंड-अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जो ग्रीन फील्ड परियोजनाओं के लिए बैंक ऋण का लाभ उठा रही हैं। यह देखते हुए कि स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन पर्यावरण को सीधे प्रभावित करता है और महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाता है,प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना पर प्रकाश डाला और बताया कि ग्रामीण महिलाओं को लगभग 100 मिलियन रसोई गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की संख्या 2014 से दोगुनी हो गई है, भारत में एसटीईएम स्नातकों में लगभग 43 प्रतिशत महिलाएं हैं, और भारत में लगभग एक-चौथाई अंतरिक्ष वैज्ञानिक महिलाएं हैं। उन्होंने कहा, 'चंद्रयान, गगनयान और मिशन मंगल जैसे हमारे प्रमुख कार्यक्रमों की सफलता के पीछे इन महिला वैज्ञानिकों की प्रतिभा और कड़ी मेहनत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाएं उच्च शिक्षा में अधिक प्रवेश ले रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में नागरिक उड्डयन में महिला पायलटों का प्रतिशत सबसे अधिक है, जबकि भारतीय वायु सेना में महिला पायलट भी लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि हमारे सभी सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों को प्रचालनगत भूमिकाओं और लड़ाकू मोर्चो पर तैनात किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण कृषि परिवारों की रीढ़ के रूप में और छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के रूप में महिलाओं द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिकाओं को रेखांकित किया। प्रकृति के साथ उनके घनिष्ठ संबंध को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाएं जलवायु परिवर्तन के के नवोन्मेकषी समाधानों की कुंजी हैं।

महिला उद्यमियों का वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

प्रधानमंत्री ने भारत में महिला उद्यमियों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि महिला उद्यमियों का वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि दशकों पहले 1959 में मुंबई में सात गुजराती महिलाओं ने मिलकर एक ऐतिहासिक सहकारी आंदोलन श्री महिला गृह उद्योग का सृजन किया था, जिसने लाखों महिलाओं और उनके परिवारों के जीवन को रूपांतरित कर दिया है। मोदी ने उनके सबसे प्रसिद्ध उत्पाद, लिज्जत पापड़ का उल्लेख किया और कहा कि यह शायद गुजरात में खाद्य मेनू में शामिल होगा! उन्होंने डेयरी क्षेत्र का भी उदाहरण दिया और बताया कि अकेले गुजरात में इस क्षेत्र से 3.6 मिलियन महिलाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 15 प्रतिशत यूनिकॉर्न स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला संस्थापक है और महिलाओं के नेतृत्व वाली इन यूनिकॉर्न कंपनियों का संयुक्त मूल्य 40 अरब डॉलर से अधिक है। प्रधानमंत्री ने एक ऐसा स्तरीय मंच का निर्माण करने की आवश्यकता पर बल दिया जहां उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाएं आदर्श बन सकें।

खास खबर

भगवान शिव के जयकारों के साथ निकली भजन कीर्तन के साथ भव्य कलश यात्रा

दुर्ग। आदित्य नगर वार्ड 20 स्थित शिव मंदिर में मंजू वोरा, स्वेता बाकलीवाल एवं नीलू सिंह के नेतृत्व में पूजा अर्चना के बाद भगवान शिव के जयकारे के साथ महिलाओं ने भजन कीर्तन करते हुए बारात बनकर कलश यात्रा निकाली। महिलाएं शिव मंदिर से कलश में पानी भरकर महादेव मंदिर लेकर पहुंची। मंजू वोरा ने कहा कि श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा अर्चना की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि सावन मास में मंदिर में रोजाना पार्थिव पूजन किया जाएगा। इस दौरान सैकड़ो महिलाओ व कुंवारी कन्याओं ने भाग लिया। विधायक अरुण वोरा जी,धर्मपत्नी श्रीमती मंजू वोरा के संयोग एवं मोहल्ले वालों के सहयोग से शिव मंदिर का निर्माण हो चुका है। जिसका सोमवार को उध्यापन किया गया। जिसकी शुरुआत कलश यात्रा से शुरू किया गया जिसने मंजू वोरा,स्वेता बाकलीवाल एवं अन्य महिलाओ ने सिर पर लिए कलश लेकर मंदिर पहुची।इस अवसर पर पार्षद श्रद्धा सोनी, माहेश्वरी ठाकुर, एल्डरमेन रत्ना नारमदेव, सीताराम वर्मा,सुषमा चौरे, स्वती पाठक एवं बड़ी संख्या में नागरिकगण मौजूद रहें। मंजू वोरा ने कहा की कलश यात्रा का मुख्य उद्देश्य शहर एवं प्रदेश की सुख शांति व समृद्धि की कामना की।कलश यात्रा बड़े धूमधाम से बाबा की बारात निकाली पुजारी मंदिर से जल भर कर आदित्य नगर शिव मंदिर तक निकलकर किया गया। श्रीमती नीलू सिंह द्वारा पटरीपार में हर वर्ष सावन के पवित्र मास में पुजा-अर्चना भजन कीर्तन अभिषेक कराया जाता आ रहा है। जिसमें हर सोमवार को घर पर महिला मंडली द्वारा भजन कीर्तन का भी आयोजन किया जाता है।

विधायक अरुण वोरा व महापौर के हाथों 21 नए परिवारों को मिला अपना पक्का आवास

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान मोर आस के तहत आज डाटा सेंटर सभागार में विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल,सभापति राजेश यादव व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से आवास आबंटन किया गया।लॉटरी में सर्वप्रथम शासन के निर्देशानुसार वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांग जनों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल में आवास आबंटन किया गया।आज की लॉटरी के माध्यम पोटियाकला के 13, गोकुल नगर,पुलगांव के 04, सरस्वती नगर से 02 तथा क्रमश: गणपति विहार, मां कर्मा से 01,01 हितग्राही शामिल थे।महापौर ने जानकारी देते हुए बतलाया कि अभी तक कुल 174 किरायेदार श्रेणी के परिवारों को आबंटन किया जा चुका है तथा मोर मकान मोर चिन्हारी (झुग्गी) वाले कुल 296 लोगों आबंटन किया जा चुका है।साथ ही साथ आवास ऋण हेतु अनुबंध करते हुए 10 हितग्राहियों को लगभग 30 लाख तक आवास ऋण उपलब्ध कराया गया है। फार्च्यून साइट में जल्द ही 07 और लोगों को आधिपत्य(चाबी) सौंपा जाएगा। कार्यक्रम में एमआईसी प्रभारी दीपक साहू,विजेंद्र भारद्वाज, रत्ना नारमदेव विशेष रूप से उपस्थित थे।

बिंदेश्वरी बघेल महाविद्यालय में किया गया वृहद पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बिंदेश्वरी बघेल शासकीय महाविद्यालय कुम्हारी में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन मेरी माटी, मेरा देश अभियान के तहत किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना और जीवन बीमा निगम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में पौधों के संरक्षण व संवर्द्धन की न केवल शपथ दिलाई गई, अपितु वृक्षारोपण के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्य रीना मजूमदार, समस्त सहायक अध्यापकगण, नगर पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर एवं उनके साथी पार्षद, एलआईसी के अधिकारी एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम के अगली कड़ी में एनएसएस अधिकारी डॉ मौसमी राय चौधरी ने महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं को रोपित पौधों के संरक्षण व संवर्धन की शपथ भी दिलाई तथा वृक्षारोपण के महत्व को समझाया।

भूपेश है तो भरोसा है की मुहिम को घर-घर तक पहुंचाएंगे युवा कांग्रेस कार्यकर्ता

■ **विधायक वोरा ने भी भरा छग हितग्राही फार्म**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। चुनावी मिशन में कांग्रेस अब पूरी तरह मैदान में उतर चुकी है। मतदाताओं को रिझाने कई अभियान शुरू किया जा रहा हैं। इन्हीं में एक अभियान को नाम दिया गया है भूपेश है तो भरोसा है। इस अभियान के तहत यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता प्रदेश के 50 लाख से अधिक घरों में डोर टू डोर जाकर सरकार की योजनाओं का प्रचार करेंगे। इसे लेकर दुर्ग में छग युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव संदीप वोरा के नेतृत्व में लोगों के घर-घर जाकर सरकार की योजनाओं की जानकारी लेकर सरकार की योजनाओं के बारे में पॉम्पलेट बांटे जाएंगे, साथ ही हितग्राही पंजीकरण फॉर्म पर ऑफलाइन एवं ऑनलाइन जनता की जानकारी भी ली जाएगी। अगर लोगों को सरकारी योजनाओं को लेकर किसी तरह की समस्या आ रही है उसे भी दूर करने उनकी जानकारी शासन को दी जाएगी। इसके लिए युवा कांग्रेस ने रजिस्ट्रेशन कॉल नंबर भी जारी किया है नंबर 90900-29090 इस पर मिस कॉल कर छत्तीसगढ़ की जनता अपना रजिस्ट्रेशन करा सकती है। रजिस्ट्रेशन कराने वालों तक यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता योजनाओं की जानकारी भी पहुंचाएंगे। योजनाओं में प्रमुख रुप से बिजली बिल हाफ, धनवन्तरी मेडिकल स्टोर्स से 70 प्रतिशत कम में दवाईयां उपलब्ध कराना, शहर व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को घरों के पास हमर क्लीनिक से नि:शुल्क ईलाज व दवा की सुविधा, कन्याओं के विवाह में मिलने वाले राशि में बढ़ोत्तरी, धान के समर्थन मूल्य 2500 रु देना वाला छग एकलौता प्रदेश है। बेहतर शिक्षा के लिए प्रदेश के शहरों में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले गए। इस दौरान गौरव उमरे, रमीज रजा, चिराग शर्मा, पृथ्वी चंद्राकर, रत्नदीप कसार, सतीष रजक, राहुल गोस्वामी, तनीष पाटनी, राहुल राजपूत, सारस्वत पाण्डेय, देवानंद साहू आदि संख्या मौजूद थे।

विधायक अरुण वोरा ने भी हितग्राही फार्म भरा एवं छग सरकार द्वारा चलाए जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। श्री वोरा ने कहा कि भूपेश बघेल के नेतृत्व में छग हर क्षेत्र में नया आयाम छू रहा है।

संभागायुक्त महादेव कावरे ने तहसील कार्यालय कवर्धा का निरीक्षण किया

■ **संभागायुक्त कावरे ने तहसील कार्यालय कवर्धा का निरीक्षण किया**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संभागायुक्त महादेव कावरे द्वारा कबीरधाम जिला अंतर्गत कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण सोमवार 31 जुलाई 2023 को किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय में लंबित प्रकरणों का अवलोकन किया, जसमें न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कवर्धा में 150 प्रकरण एवं तहसीलदार न्यायालय कवर्धा में 100 प्रकरण, नायब तहसीलदार रवेली में 167 प्रकरण इसी प्रकार नायब तहसीलदार कवर्धा में 200 प्रकरण लंबित पाए गए। लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित पीठासीन अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री कावरे ने अभिलेख कोष्ठ में प्रकरण जमा उपरान्त रिकार्ड अद्यतन रखने हेतु अभिलेख कोष्ट पंजी का संधारण एवं पटेली पंजी सत्यापित किये जाने का निर्देश दिए । साथ ही कार्यालय में स्थापित अभिलेखागार में अग्निशमन यंत्र आवश्यक रूप से लगाये जाने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने निरीक्षण के दौरान समस्त शाखाओं में संधारित पंजीयों का अवलोकन किया, जिसमें उन्होंने अभिलेख पासबुक, आदेशिका पंजी, अर्थदण्ड पंजी, केश बुक का अवलोकन किया। जिस दौरान न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कवर्धा में रूपये 6,84,239/- अर्थदण्ड वसूली हेतु शेष होना पाया गया।

इसी प्रकार न्यायालय तहसीलदार कवर्धा में रूपये 21,425/- अर्थदण्ड वसूली हेतु शेष होना पाया गया। जिसमें वसूली की कार्यवाही में तेजी लाने हेतु संबंधित तहसीलदार श्री उपेन्द्र किण्डों को निर्देशित किया गया। तहसील कार्यालय कवर्धा के नाजरात शाखा में संधारित रोकड़ बही में राशि रूपये 3 करोड़ 41 लाख की प्रविष्टि दर्ज है जिसका मिलान करते हुए समाधान विवरण एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कवर्धा में संधारित रोड़क बही एवं बैंक स्टेटमेंट में रूपये 30,48,430/- का अंतर पाया गया। जिसे एक सप्ताह के भीतर मिलान कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

प्रभारी मंत्री मोहम्मद अकबर ने ली अधिकारियों की समीक्षा बैठक

■ **विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की ली जानकारी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के प्रभारी मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर शासन द्वारा संचालित योजनाओं की विभागीय क्रियान्वयनं की समीक्षा की। उन्होंने जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन पर संतोष जताया। उन्होंने क्रेडा द्वारा ग्राम पंदर में स्थापित ऊर्जा पार्क और जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा ग्राम धरमपुरा, देमार एवं निकुम में स्थापनाधीन फूड पार्कों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। मंत्री मोहम्मद अकबर ने सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर को उपलब्ध आकड़ों की एजेंसीवार पुन: समीक्षा करने कहा। उन्होंने जिले में बेरोजगारी भत्ता प्राप्त आवेदकों के लिए प्लेसमेंट केम्प पर जोर देते हुए प्रशिक्षित आवेदकों को रोजगार मुहैय्या कराने कहा। प्रभारी मंत्री अकबर ने जिला अंत्यावसायी एवं विकास समिति द्वारा वर्ष 2022-23 में आदिवासी स्वरोजगार योजना के तहत लाभान्वित हितग्राहियों की योजनावार जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले में हो रही विभागीय गतिविधियों की जानकारियां दी। उन्होंने बताया कि योजना की क्रियान्वयन की लगातार मॉनिटरिंग हो रही है और अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

बैठक में राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष व विधायक अरूण वोरा, जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा यादव, दुर्ग महापौर धीरज बाकलीवाल, भिलाई महापौर नीरज पाल, भिलाई-3 चरौदा महापौर निर्मल कोसरे, रिसाली महापौर श्रीमती शशि सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, डीएफओ शशि कुमार, अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन सहित अन्य जिला स्तरीय के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में उपस्थित नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों ने निकायों में राजीव गांधी आश्रय योजना अंतर्गत पट्टे वितरण संबंधी प्रकरणों के निराकरण की ओर प्रभारी मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट किये। मंत्री अकबर ने अधिकारियों को प्रकरण शीघ्र निराकृत करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार विधायक श्री अरूण वोरा ने नगर निगम दुर्ग के अपूर्ण कार्य-शिवनाथ नदी रोड, शिवनाथ डायवर्सन नाला, ठगड़ा बांध, सी-मार्ट, शासकीय स्कूल, सतनाम भवन, गौरव पद, इंटकवेल में लगने वाली मोटर पम्प। अप्रारंभ कार्य-रीवरफ्रंट, हॉकी ईस्टा ग्राउण्ड, तालाब सौंदर्यीकरण व विभिन्न क्षेत्रों में फेवर ब्लॉक, लोक निर्माण विभाग के अपूर्ण कार्य एवं अप्रारंभ कार्य तथा आरईएस द्वारा अपूर्ण स्कूल संधारण कार्य की ओर प्रभारी मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया।

बैठक में जिले की निकायवार एमएमयू योजना, धनवन्तरी दवा दुकान, प्रधानमंत्री आवास, मोर मकान मोर चिन्हारी, मुख्यमंत्री मितान योजना, गौठान निर्माण, चारागाह विकास, सामुदायिक बाड़ी, नरवा परियोजना, गो-धन न्याय योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, रीपा, राजस्व प्रकरणों के निराकरण, जिले में खाद-बीज की स्थिति, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राजीव किसान न्याय योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, राष्ट्रीय पेंशन योजना, मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, जलजीवन मिशन, कृष्णकुंज, पौधा तुवंर दुआर, जिले में पौधरोपण सहित अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

नशे में युवक ने कर दी भाई की हत्याः लाठी से सिर पर वार कर मार डाला, आरोपी अरेस्ट

भिलाई। दुर्ग जिले में नशे ने युवक को इतना बेरहम बना दिया कि उसने अपने ही छोटे भाई की जान ले ली। दोनों भाइयों में मामूली झगड़ा हुआ था, लेकिन भड़े भाई ने आवेश में आकर लाठी से छोटे भाई के सिर में इतना वार किया कि उसकी मौत हो गई। इसके बाद वो चोरी से उसको जलाने जा रहा था। सूचना मिलते ही दुर्ग पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार किया।

घटना दुर्ग जिले के नेवई थाना क्षेत्र की है। थाना प्रभारी ममता शर्मा ने बताया कि आरोपी नरेंद्र कोठारी (30 साल) मरोदा स्टेशन पटेल पारा का रहने वाला है। उसने अपने छोटे भाई नरसिंह कोठारी (26 साल) की हत्या कर दी। घटना 1 अगस्त रात की है। आरोपी काफी नशे में घर पहुंचा था। वहां उसकी छोटे भाई नरसिंह से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों भाई नशे में थे। इससे वो लोग हाथापाई पर उतर आए। आवेश में आकर नरेंद्र ने पास पड़े बांस के डंडे से नरसिंह के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार किए। इससे वो लहूलुहान होकर वहीं ढेर हो गया। छोटे भाई की मौत के बाद नरेंद्र ने घरवालों को राजी किया और रात भर शव को घर में छिपाकर रखा। न तो इसकी जानकारी पुलिस को दी और न अपने रिश्तेदारों को।

चोरी छिपे अंतिम संस्कार करने की फिराक में था आरोपी

सीएसपी भिलाई नगर निखिल रखेचा ने बताया कि हत्या के बाद घर वालों ने भी आरोपी का साथ दिया। उन्होंने पुलिस को हत्या की सूचना नहीं दी। इसके बाद बुधवार सुबह नरेंद्र उठा और बिना पुलिस व अन्य रिश्तेदारों को जानकारी दिए अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था। वो रिसाली निगम में शव वाहन की तलाश में गया था। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली और उन्होंने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने छोटे भाई की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस की माने तो दोनों भाई को शराब पीने की लत थी। आए दिन वो लोग नशे की हालत में काफी झगड़ा और मारपीट करते थे।

बीएसपी कर्मी ने अपने पुत्र के साथ मिलकर युवक से ठगे 10 लाख रुपए, प्लांट में नौकरी लगाने का दिया था झांसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में नौकरी लगाने के नाम पर सिविक सेंटर में चाय की दुकान लगाने वाले से 10 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। बीएसपी कर्मी ने अपने पुत्र के साथ मिलकर युवक को ठगी का शिकार बनाया। इस मामले में युवक ने भिलाई नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत पर भिलाई नगर पुलिस बीएसपी कर्मी व उसके पुत्र के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मकान नंबर 11/बी, सडक 23 वार्ड 40 सेक्टर 02 निवासी फरहान खान की सिविक सेंटर में चाय का अड्डा नाम से दुकान है। अपने दुकान पर फरहान की पहचान सेक्टर 06 मकान नंबर 5/डी, सडक 82, वार्ड 46 सेक्टर 06 निवासी श्वेतांक चंदेल से हुई। अक्सर दुकान आने से श्वेतांक व फरहान में दोस्ती भी हो गई। इस दौरान फरहान श्वेतांक चंदेल के घर भी जाने लगा। श्वेतांक ने अपने पिता राम सिंह से उसका परिचय करवाया था।

लगभग साल भर पहले जुलाई 2022 को फरहान श्वेतांक चंदेल के घर गया। इस दौरान उसके पिता राम सिंह चंदेल ने उसे बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र में कुछ वैकेंसी गुप्त रूप से निकलती है। पैसे लेकर नौकरी दी

जाती है। रामसिंह ने फरहान को बताया कि 10 लाख रुपए में वह उसकी नौकरी बीएसपी में लगवा सकता है। फरहान इनके झांसे में आ गया। उसने अपने पिता वाहिद अहमद को सारी बात बताई। इसके बाद फरहान के पिता ने रामसिंह से कहा कि वह पूरे पैसे एक साथ नहीं दे सकता। इसके लिए भी राम सिंह मान गया।

इसके बाद फरहान ने 25 अगस्त 2022 को 95 हजार, 26 अगस्त 2022 को 50 हजार, 30 अगस्त 2022 को 85 हजार रुपए और ऐसे ही अलग अलग तिथियों में 1 अक्टूबर 2022 तक राम सिंह चंदेल व उनके पुत्र श्वेतांक चंदेल को 10 लाख रुपए दे दिए। यह सारी राशि श्वेतांक चंदेल के खाते में ट्रांसफर हुई। 10 लाख रुपए लेने के बाद फरहान अब नौकरी का इंतजार करने लगा। अब तक फरहान की बीएसपी में नौकरी नहीं लग पाई। यही नहीं पिता पुत्र ने फरहान का फोन भी उठाना बंद कर दिया। फरहान जब उनके घर पैसे लेने पहुंचा तो दोनों ने गाली गलौच की और रुपए नहीं दिए। इस प्रकार दोनों ने फरहान के साथ 10 लाख रुपए की ठगी की।

इस मामले में शिकायत के बाद भिलाई नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर फरहान ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद श्वेतांक चंदेल केस वापस लेने के लिए धमका रहा है। वह कह रहा है कि केस वापस नहीं लेने पर एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करवा देगा। यही नहीं उसने मारने की धमकी भी दी। बताया जा रहा है कि पिता पुत्र ने इस तरह से कई लोगों को ठगा है।

रिटायर्ड बीएसपी कर्मी से ठगी, दमन के होटल में कमरा बुक करा रही थी बहू, फर्जी वेबसाइट के झांसे में आई

भिलाई। तालपुरी निवासी रिटायर्ड बीएसपी कर्मी ठगी का शिकार हो गया है। दरअसल इनकी बहू दमन में होटल का कमरा बुक करने के लिए इंटरनेट पर सर्च कर रही थी। इस दौरान एक फर्जी वेबसाइट से होटल का लिंक मिला। जिस शख्स का नंबर मिला उसे कॉल करने के बाद इनके साथ ठगी हो गई। शातिर ने होटल बुक बरने के नाम पर ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर कराए। एक नहीं दो नहीं तीन बार रुपए ट्रांसफर कराए लेकिन इनका कमरा बुक नहीं हुआ। बाद में इन्हें अहसास हुआ कि वे ठगी का शिकार हुए हैं। इसके बाद भिलाई नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत पर भिलाई नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तालपुरी निवासी राजीव मल्होत्रा बीएसपी रिटायर्ड हैं। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि 11 जुलाई को उनकी बहू साक्षी कोहली इंटरनेट से दमन में होटल बुक करने के लिये सर्च कर रही थी। उसे इंटरनेट से होटल सिल्वर सैंड बिच रिसोर्ट दमन का एड मिला। इसमें दर्ज मोबाइल नंबर 8827430524 पर संपर्क करने पर कुलदीप नाम के व्यक्ति से बात हुई। कमरा बुक करने के लिए कुलदीप ने रजिसट्रेशन करने कहा। सामने वाले ने वाट्सएप पर एकाउंट डिटेल दिया। खाता क्रमांक 50100635587190 IFSC HDFC0000130 नाम सिल्वर सैंडस ज्योती वर्मा लिखा था।

उक्त खाते में साक्षी कोहली ने पहले 2000 रू फिर 19241 रू HDFC बैंक का खाता क्रमांक 50100103669784 से ट्रांसफर किया। इसके बाद कुलदीप से संपर्क करने पर उसने पैसा नहीं मिलने की बात कही। इसके बाद उसने दोबारा रुपए ट्रांसफ्रर किए। इस तरह लगभग तीन बार उसने 79064 रुपए ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद इनका कमरा बुक नहीं हुआ तो इन्हें ठगी का अंदेशा हुआ। इसके बाद जिस रिसार्ट में कमरा बुक करा रहे थे उसके रियल वेबसाइट पर जाकर पता किया गया तो फर्जीवाड़े का पता चला। इसके बाद इस मामले की शिकायत थाने पहुंची।

एआई की मदद से रिश्तेदार की हूबहू आवाज में कॉल, ओटीपी पूछकर बैंक बैलेंस पार

रायपुर (ए)। ऑनलाइन ठगी करने वाले लोगों को फंसाने और खाते में सेंध लगाने के लिए तरीका बदल रहे हैं। अब ठगों ने बेहद एडवांस तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग कर खातों में सेंध लगाना शुरू कर दिया है। एआई की डीपफेक तकनीक से ठग जिसे टारगेट करते हैं उसके करीबी रिश्तेदार या परिचित की आवाज का सैंपल चुराकर हुबहू उसी आवाज में टारगेट को कॉल कर इमरजेंसी बताकर मांगते हैं या मोबाइल में ओटीपी भेजकर नंबर मांगते हैं।

ओटीपी नंबर देते ही ठग खातों में सेंध लगाते हैं। छत्तीसगढ़ में पहला केस जांजगीर-चांपा में आया है। यहां के पामगढ़ के शिक्षक गजेंद्र सिंह चौहान को साथी शिक्षक साहू के आवाज से ठगों ने फोन किया और इमरजेंसी बताकर खाते में 35 हजार रुपए जमा करा लिए। इस तरह की शिकायतें कुछ और जगह से आई है, जिसकी पड़ताल की जा रही है। देश के कई बड़े शहरों में इस तकनीक से ठगी की लगातार वारदातों को देखते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ साइबर सेल और पुलिस को इनपुट मिला है कि ठगों ने हैदराबाद के एक कारोबारी को इसी फार्मूले से टारगेट कर उससे 5 लाख की ठगी की।

पुरानी रंजिश को लेकर जानलेवा हमला करने वाले दो नाबालिग सहित 7 गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी के मौदहापारा थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प मामले में पुलिस ने आरोपितों का जुलूस निकाला है। दरअसल, मंगलवार रात दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प में जमकर तलवार, चाकू और फरसा चले। बेखौफ बदमाशों ने जमकर बवाल मचाया। इस घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं बदमाशों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों और दुकानों को भी हथियारों से नुकसान पहुंचाया है। ये पूरी वारदात इलाके में लगी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। लड़ाई वर्चस्व को लेकर हुई है। इससे पहले भी विवाद हो चुका है। इस मामले में मौदहापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बलवा, हत्या

का प्रयास समेत कई संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है। मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने आमिर उर्फ बद्री, वाहिद, गोलू उर्फ देवनारायण साहू, साहिल, हीरा छुरा सहित दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के अनुसार, मौदहापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत राजबंधा मैदान के पास मंगलवार की रात बलवा हुआ। इसमें दो पक्षों के युवकों ने जमकर तलवार, चाकू, फरसा और डंडे चलाए। मौदहापारा निवासी आसिफ और फिरोज गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है। हिंसक झड़प का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें बदमाश हाथों में हथियार लिए लहराते दिख रहे हैं और खड़ी गाड़ियों एवं दुकानों में तोड़फोड़ कर रहे हैं।

पति ने की पत्नी व तीन बेटियों की हत्याः तीन दिन घर पर बंद रहे चार शव, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। जिल के देवरी गांव में एक शख्स ने अपनी पत्नी व तीन बेटियों की फावड़ा मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद वह घर का दरवाजा बाहर से बंद कर भाग गया। हत्या के तीन दिन बाद बुधवार देर रात ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम देवरी चौकी पंतोरा थाना बलौदा निवासी देशराज कश्यप ने अपनी पत्नी मोंगरा बाई (40) और तीन बेटियां पूजा उर्फकल्याणी (16) भाग्य लक्ष्मी उर्फ पीहू (10) याचना (6) की

फावड़ा मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। बताया जा रहा है कि घटना 31 जुलाई की है। आरोपी हत्या के बाद घर का दरवाजा बाहर से बंद कर भाग गया था। दो दिन बाद बुधवार देर रात को ग्रामीणों को घर के पास से बदबू आई तो इसका खुलासा हुआ। आनन फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा के बाद तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर आसपास पूछताछ में पता चला कि देशराज कश्यप मानसिक रूप से बीमार है और उसका बिलासपुर में इलाज चल रहा है। इधर घटना के बाद वह भी फरार था। पुलिस ने पतासाजी कर देशराज को हिरासत में लिया और पूछताछ में उसने हत्या की बात मान ली है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल फावड़ा भी जब्त कर लिया है।

कार्यालय प्राचार्य, आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जिला - दुर्ग, भिलाई (छ.ग.)

Phone No. 0788 2281128 E-Mail-itibhl@rediffmail.com

// सूचना //

क्रमांक/औप्रसंभि/का.आ./प्लेसमेंट/2023/ भिलाई दिनांक.............

आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था भिलाई में दिनांक 04.08.2023 को प्रातः 11 बजे बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराये जाने हेतु निम्नलिखित उद्योगों द्वारा निम्नानुसार व्यवसायों में रिक्त पदों पर प्लेसमेंट केम्प का आयोजन किया जा रहा है।

क्र.	उद्योग / प्रतिष्ठान का नाम	व्यवसाय का नाम	रिक्तियों की संख्या
1	म्यूरा इंफ्रास्ट्रक्चर, भिलाई	फिटर	30
2	शिवालिक इंडस्ट्रीज, भिलाई	फिटर, वेल्डर	30
3	सिम्पलेक्स कास्टिंग, भिलाई	टर्नर, मशीनिष्ट	25
4	एसबीआई लाइफ, भिलाई	इंश्योरेंस एडवाईजर	50
5	ईकोलूप आइडियास, भिलाई	फिटर, वेल्डर, विद्युतकार, वायरमेन, इलेक्ट्रानिक मैकेनिक	5
6	Svenska Institute of Technology, Thane, Maharashtra	फिटर, विद्युतकार, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक	100

उक्त प्लेसमेंट केम्प में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक अपने पासपोर्ट साइज फोटो, समस्त मूल शैक्षणिक दस्तावेजों एवं उनकी स्वयं द्वारा सत्यापित छायाप्रति के साथ उपस्थित होवें।

(टी. एस. तवर) प्राचार्य
आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था
भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

जी-03898/3

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

कार्यालय – बालोद वनमंडल बालोद

नीलाम की सूचना

सर्व साधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का निम्नांकित वर्णन के अनुसार दिनांक 12/08/2023 को नीलाम व्दारा निर्वतन किया जायेगा।

नीलाम में रखे जाने वाले अनुमानित मात्राः–

नीलाम तिंथि – 12/08/2023
स्थान – बालोद काष्ठागार डिपो
समय – प्रातः 10:00 बजे

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत् अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	73.323	456	755	14.827	298	441	88.150	754	1196
2	बीजा	28.260	26	15	23.368	1	1	51.628	27	16
3	साजा	32.120	168	11	15.412	0	0	47.532	168	11
4	कसही	0.635	0	0	3.450	0	2	4.085	0	2
5	मुण्डी	1.921	0	0	3.699	0	0	5.620	0	0
6	खम्हार	1.267	4	0	0.000	0	0	1.267	4	0
7	हल्दू	9.352	34	24	0.360	0	0	9.712	34	24
8	मोदे	0.904	0	0	0.000	0	0	0.904	0	0
9	धावड़ा	18.897	131	37	4.438	3	0	23.335	134	37
10	किरगी	4.575	0	0	0.051	0	0	4.626	0	0
11	धाठा	3.850	0	0	0.305	0	0	4.155	0	0
12	कर्रा	16.645	382	75	33.903	217	14	50.548	599	89
13	अन्य	27.832	225	61	19.565	128	2	47.397	353	63
	योग :–	219.581	1426	978	119.378	647	460	338.959	2073	1438
14	जलाऊ चट्टा	348 चट्टा			42 चट्टा			390 चट्टा		
15	औद्योगिक बांस	-			2143 बंडल = 25.741 नो.टन			2143 बंडल = 25.741 नो.टन		
16	व्यापारिक बांस	7850 नग = 23.257 नो.टन			12576 नग = 31.915 नो.टन			20426 नग = 55.172 नो.टन		
गुरूर परिक्षेत्र (निस्तार/बसोड़/उपभोक्ता डिपो, गुरूर)										
17	बबूल	43.315	0	0	0.000	0	0	43.315	0	0
18	अन्य	5.474	0	0	0.000	0	0	5.474	0	0
गुरूर परिक्षेत्र (निस्तार/बसोड़/उपभोक्ता डिपो, गुरूर)										
19	जलाऊ चट्टा	16 चट्टा			-			16 चट्टा		

टीप :– (1) व्यापारी अपना पूर्ण पता एवं फोन नंबर/टिन नंबर/मोबाईल नंबर ई.एम.डी. अधिकारी के पास अवश्य अंकित करावें पंजीयन प्रमाण पत्र एवं आयकर हेतु पेन नंबर एवं जी.एस.टी. की छायाप्रति साथ में प्रस्तुत करें।

(2) किसी भी व्यक्ति को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व नीलाम की शर्तो का पालन करने के करार के प्रतीक स्वरूप विक्रय की सूचना पर हस्ताक्षर करना होगा तथा प्रत्येक लॉट के संबंध में बोली लगाने के पूर्व जिस सीमा तक बोली लगाना चाहता है, उसके 10% के बराबर राशि या 1000/- इनमें से जो अधिक हो, की बयाने की राशि चेक के माध्यम से जमा करना होगा।

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल, बालोद (छ.ग.)

जी-03915/6

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

कामधेनु विश्वविद्यालय में बीवीएससी एण्ड एएच पाठ्यक्रम 2023-24 की प्रवेश जारी

दुर्ग। दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के बी.व्ही.एस.सी. एंड ए.एच.स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश ह्वश्वश्ज्ञ (त्र) 2023 के परीक्षा परिणाम की प्रवीण्यता सूची के आधार पर 64 सीटों पर प्रवेश दिया जाना है जिसकी काउंसिलिंग हेतु ऑनलाइन पंजीयन 01 से 16 अगस्त 2023 तक नियत है। पंजीयन के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया 31 अगस्त 2023 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा में प्रातः 10 बजे प्रारंभ होगी तथा सीट रिक्त होने पर प्रवेश 27 सितम्बर 2023 को होगी। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन, विस्तृत शैक्षणिक योग्यता, आयु एवं अनिवार्य अर्हताऐ, प्रत्येक श्रेणी एवं वर्ग में उपलब्ध सीटों की संख्या, फीस इत्यादि प्रवेश नियमों के साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के पश्चात प्रवेश काउंसिलिंग के संबंध में समस्त सूचनाएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट में ही अपलोड कर दी जाएगी। आवेदकगण निरंतर विश्वविद्यालय की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान का शुभारंभ

दुर्ग। जिले में स्वीप कमेटी के द्वारा 'मोर वोट, मोर अधिकार, मोर जिम्मेदारी' इस टैग लाइन के साथ 2 अगस्त 2023 को प्रारंभ किया गया। जिसमें 10 विद्यालयों के छात्र छात्राओं के द्वारा गांधी पुतला से जेल तिराहा तक मानव श्रृंखला बनाकर बैनर पोस्टर के साथ लोगों को मतदान हेतु जागरूक किया। इसी कड़ी में कॉलेज की लगभग 300 छात्राओं के द्वारा सेक्टर 9 स्क्वायर से सेक्टर 7 तक स्कूटी रैली निकाली गई। इन्होंने फ्लैग, पोस्टर के माध्यम से न केवल लोगों को मतदान देने हेतु प्रेरित किए बल्कि 18 वर्ष पूर्ण करने वाले मतदाताओं को अपना नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु संदेश दिए इस पूरे कार्यक्रम को जिले के पुलिस अधीक्षक श्री. शलभ सिन्हा जिला पंचायत के सीईओ श्री अश्वनी देवांगन एवं वन मंडल अधिकारी श्री. शशि कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल की पूरी टीम उपस्थित थे।

भिलाई को हरा भरा करने की पहल : निगम प्रशासन करा रहा खाली जगहों पर पौधरोपण

■ हरियर छत्तीसगढ़ योजना के तहत क्षेत्र में वृहद रूप से किया जा रहा पौधरोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा हरियर छत्तीसगढ़ के लिए शहर की सुंदरता को बढ़ाने राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनो ओर थिमेटिक क्रम में पौधरोपण किया जा रहा है, शहर के सावर्जनिक स्थानों को सुंदर बनाने रंगबिरंगे फूल के पौधे रोपित किये जा रहे है और अब तक 5880 वृक्षो का रोपण किया जा चुका है।

महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास द्वारा डी-मार्ट के पास स्थित गौठान में हरियर छत्तीसगढ़ योजना के तहत 9 जुलाई को सघन पौधरोपण की शुरुआत करते हुए निगम के पॉच जोन में जोन अध्यक्ष, महापौर परिषद के सदस्य, पार्षद, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सैंकड़ो की संख्या में पौधा रोपण किया था।

जिलाधीश पुष्पेन्द्र मीणा के द्वारा जिला स्तर पर वृक्षारोपण करने विभागों को दिए निर्देश के तारतम्य में आयुक्त रोहित व्यास ने निगम के अधिकारियों को सघन वृक्षारोपण के साथ जीई रोड के दोनों ओर गुलमोहर, अमलताश, नीलमोहर तथा सड़क के बीच डिवाईडर में मोर पंखी, पेल्ट्राफार्म, कोनोकारपस, बोगनबिलिया जैसे फूल के पौधे एवं वृक्ष लगा कर भिलाई की सुंदरता को बढ़ाने भी कहा था। आयुक्त व्यास ने 77 एमएलडी फिल्टर प्लांट से डबरा पारा तक तथा शहर के मुख्य मार्ग से जुड़े अन्य मार्ग, शासकीय कार्यालय भवन, स्कूल, खेल मैदान, आंगनबाड़ी केन्द्र, अस्पताल, पुलिस थाना, तालाब के चारो तरफ बाजार क्षेत्र, उद्यान, रिक्त शासकीय भूमि में सघन वृक्षारोपण करने के निर्देश दिये है। निगम द्वारा विभिन्न प्रजाति के 5880 पौधों का रोपण अब तक किया जा चुका है। एक अगस्त को पांचो जोन के विभिन्न क्षेत्रों में 834 वृक्ष लगाए है। आम नागरिकों को वृक्षारोपण से जोड़ने के लिए निगम के नर्सरी कुसुम कानन नेहरू नगर से कचनार, अमलताश, पेल्ट्राफार्म एवं फलदार वृक्ष का वितरण किया जा रहा है।

महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास ने शहर के नागरिको, संस्थान, समाज सेवी से अपील की है कि पर्यावरण के संरक्षण के लिए सघन पौधरोपण अभियान हरियर छत्तीसगढ़ में भाग लेकर पौधे लगाएं और पर्यावरण को हरा भरा करें।

आजादी के 76वें वर्ष पर 76 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा

■ भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव की पहल पर निकाली जाएगी यात्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विधायक देवेंद्र यादव हजारों शहर वासियों के साथ मिल कर आजादी के 76 वर्ष पर 76 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा निकालेंगे। आजादी दिलाने वाले वीर शहीदों की याद में तिरंगा यात्रा निकालेंगे। और इस यात्रा में नेन्हे मुन्ने महात्मा गांधी, भारत माता,सुभाष चंद्र बोष आदि महापुरूषों का रूप धरे बच्चे भी इस यात्रा में शामिल होंगे। इसकी तैयारी की जा रही है।

हर साल की तरह इस साल भी विधायक देवेंद्र यादव तिरंगा यात्रा निकालने वाले है। इसके लिए तैयारी चल रही है। 12, 13 और 14 अगस्त को यात्रा निकाली जाएगी। शहर के सभी वार्ड और गलियों से होकर यात्रा निकलने। जिसमे शहर भर के हजारों लोग शामिल होंगे। देश की आजादी के 76 वां साल होने पर देश को आजादी दिलाने वीर शहीदों की याद में कांग्रेस हर विधानसभा क्षेत्र में 76 किलोमीटर की आजादी की तिरंगा यात्रा कर रही है। सीएम भूपेश बघेल और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के निर्देश पर पूरे प्रदेश भर में आजादी की यात्रा निकाली जाती है। इसी कड़ी में को भिलाई विधायक देवेंद्र यादव के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। पिछले साल भी भव्य यात्रा निकाली गई थी।

हर गली मोहल्ले से गुजरेगी तिरंगा यात्रा

भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने कहा है कि साहस बलिदान शांति सत्यता पवित्रता वैभव संपन्नता इन तीनों रंगों से मिलकर बनता है हमारा तिरंगा। तिरंगे की आन बान और शान को बनाए रखते हुए भिलाई के हर गली मोहल्ले से गुजरेगी 76 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा। क्योंकि भारत के ह्रदय में बसता है भिलाई और भिलाई के दिल में बसता है तिरंगा। आजादी के 76 वर्ष पूर्ण होने की अवसर पर 12 से 14 अगस्त तक भिलाई में तिरंगा पदयात्रा किया जाएगा जिसमें पूरे शहर वासी सादर आमंत्रित हैं।

विद्युत जोन के अधिकारी व कर्मचारी, पाली व कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विद्युत जोन विभाग में शिरोमणि पुरस्कार योजना के अंतर्गत पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) टीके कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

आयोजित कार्यक्रम में विद्युत जोन में अति उत्तम कार्य प्रदर्शन के लिए विद्युत जोन से सहायक प्रबंधक (एचएमई) श्री एस. नरेन्द्र राव को पाली - शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया एवं कर्म -शिरोमणि पुरस्कार के लिए मास्टर ओसीटी (पीएसडी) पुष्प नारायण, एवं मास्टर ओसीटी (पीएसडी) जयंत कुमार पाल को सम्मानित किया गया एवं सम्मान के रूप में पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण-पत्र, स्मृति चिन्ह और जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (टेलीकॉम) प्रकाश, महाप्रबंधक (सीआरएमई) अक्षय कुमार नायक महाप्रबंधक (एचएमई) एमए सिद्दकी, महाप्रबंधक (टीपीआईई) एस लक्ष्मी, महाप्रबंधक (ईटीएल) सुभाष राठौर, महाप्रबंधक (पीएसडी) आरआर ठाकुर, महाप्रबंधक (पीएसडी) रविन्द्र कुमार, उप-महाप्रबंधक (ईआरएस) कुंतेल बघेल एवं सहायक महाप्रबंधक (पीएसडी) योगेश कुमार वर्मा व अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन कार्मिक शक्ति एवं विद्युत विभाग के सहायक प्रबंधक गिरीश मढ़रिया एवं आभार प्रदर्शन डी बेल्सर द्वारा किया गया।

सड़कों पर आवारा पशुओं की जानकारी देने जिला प्रशासन ने जारी किया टोल फ्री नंबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रोका छेका अभियान के तहत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में मवेशियों का प्रतिदिन अलग-अलग स्थानों व सड़कों पर धरपकड़ चालू है। इन आवारा मवेशियों को पकड़कर गौठानों एवं चारागाह में रखा जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा हेल्पलाईन नंबर जारी किया गया है। जिला प्रशासन ने अपील की है कि सड़कों पर उन्हें मवेशी दिखे तो वे तत्काल टोल फ्री नम्बर 18002330788 पर सूचना दें। साथ ही यदि किसी बीमार या घायल पशु को चिकित्सा की आवश्यकता है तो गोधन के लिए चिकित्सा हेल्पलाईन 0788-2323446 नंबर पर सूचित करें।

सड़कों पर लगातार बढ़ती हुई आवारा मवेशियों की संख्या और उसके नियंत्रण को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर निगम का अमला लगातार प्रयासरत है। नगर निगम दुर्ग द्वारा 15 दिन के भीतर 324 आवारा मवेशियों को पकडा गया है। मवेशी पालकों को भी हिदायत दी गई है कि वे मवेशियों को बरसात के दिनों में खुला ना छोड़े। समाजसेवी संस्थाओं से भी अपील की गई है कि वे आवारा मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी लगा दें, ताकि रात में वह चमके और दुर्घटना से बचाव हो सके।

पशुपालकों की गैर जिम्मेदारी का नतीजा नागरिकों को सहन करना पड़ रहा है। पशुपालक गायों को खुला छोड़ देते है, जिसके कारण गाय सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों में घुमते-फिरते नजर आते हैं। सड़कों पर बैठे आवारा पशुओं से वाहन चालकों को दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। कभी-कभी सड़कों पर पशु आपस में लड़ते नजर आते हैं, जिसके कारण मार्ग पर चलने वाले लोगों को डर लगा रहता है कि कोई अनहोनी न हो जाए। जगह-जगह हाईवे एवं अन्य मार्गो की सड़कों पर गाय बैठे होने के कारण वाहन के चपेट में आकर घायल होने की संभावना बनी रहती है। नगर निगम आयुक्त दुर्ग ने पशु पालकों से कहा है, कि सघन बस्ती के बीच संचालित खटालो में बांधकर रखें। पशुपालक अपने मवेशियों को सड़कों पर ना छोड़े ऐसा पाए जाने पर निगम द्वारा अर्थदंड किया जाएगा।

दुर्ग में अब तक 427.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 2 अगस्त तक 427.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 618.3 मिमी पाटन तहसील में दर्ज की गई है।

इसी प्रकार न्यूनतम 207.0 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 422.6 मिमी, तहसील धमधा में 423.3 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 450.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 444.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

2 अगस्त को तहसील दुर्ग में 1.0 मिमी, तहसील धमधा में 2.0 मिमी, तहसील पाटन में 13.0 मिमी, तहसील बोरी में 2.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 2.6 मिमी और तहसील अहिवारा में 3.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

सामाजिक संस्था जीई फाउंडेशन ने बच्चों को बांटी पाठ्य सामग्री, जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक संस्था गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन ने समग्र शिक्षा अभियान के तहत ब्राइट मंदबुद्धि एवं मूक बधिर विद्यालय जवाहर नगर दुर्ग में बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित की। इन विशेष बच्चों को पाठ्य सामग्री मिली तो सभी के चेहरे मुस्कान के साथ खिल उठे। सभी ने इशारों में फाउंडेशन का आभार जताया।

फाउंडेशन की ओर से अंचल के गरीब, वंचित व घर से दूर रह कर पढ़ाई कर रहे बच्चों को लगातार 5 वर्ष से पाठ्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। इसी पहल को विस्तार देते हुए फाउंडेशन की ओर से यहां तमाम बच्चों को कॉपियों का सेट दिया गया। इस वर्ष पाठ्य सामग्री बांटने का यह पांचवा और अंतिम चरण था। इसके पूर्व 'प्रयास' श्रवण विकलांग संस्थान

सुपेला,संदीपनी बालक छात्रावास फरीद नगर भिलाई ,संजीवनी बालिका छात्रावास और दिव्यांग संसाधन केंद्र दुर्ग में भी जीई फाउंडेशन की ओर से बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की जा चुकी है। इस वितरण कार्यक्रम में शाला परिवार की ओर से संचालक राजू राजपूत, रिंकी यादव, गायत्री सोनी, चित्रा गगहे, लेखिका साहू, लता साहू, गीतेश कुमार यादव एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

डेंगू की रोकथाम के लिए शहर में चलाया जा रहा सघन अभियान

■ महापौर ने बैठक लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यो की समीक्षा किए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में जल जनित बिमारी विशेष रूप से डेंगू के रोकथाम के लिए निगम का स्वास्थ्य विभाग सघन अभियान छेड़ रखा है, स्वास्थ्य अमला डेंगू के संभावित स्थलों पर लार्वा तथा एडल्ट मच्छरों के उन्मुलन के लिए टेमिफास घोल का घर-घर वितरण तथा मोहल्लों में मैलाथियान का छिड़काव व क्वाकोथरिन का धुंआ छोड़ा जा रहा है।

महापौर नीरज पाल एवं जनस्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य लक्ष्मीपति राजू ने निगम के स्वास्थ्य अमले की बैठक लेकर जल जनित बिमारियों विशेष रूप से डेंगू के उन्मुलन के लिए किये जा रहे कार्य की समीक्षा की महापौर ने कहा कि निगम क्षेत्र में डेंगू न फैले इस ओर हमे विशेष ध्यान रखना होगा। नियमित रूप से नालियों की सफाई कर ब्लिचिंग पाउडर का छिड़काव करें। घर-घर जॉच में लगे टीम इस बात का ध्यान रखे कि किसी भी घर में खाली कबाड़ में बरसात का पानी जमा न हो, कुलर को खाली करवाकर टेमिफास का छिड़काव करें, लोगों को इस बात की जानकारी दें बारिस के थम जाने के बाद वर्षा जल घर में किसी बर्तन, गमले, टायर में जमा न हो। क्योकि डेंगू के लार्वा साफ पानी में पनपते है।

स्वास्थ्य अधिकारी ने निगम क्षेत्र में डेंगू की स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि जिला मलेरिया कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार डेंगू के 16 मरीज भिलाई क्षेत्र व टाउनशिप में पाये गये है, जिसमें से 6 मरीज निगम क्षेत्र में पुणे, हैदराबाद, बैगलूरू से ही डेंगू से प्रभावित होकर भिलाई आये है। स्वास्थ्य अमले ने बताया कि जल जनित बिमारियों से बचने के लिए लोगों को जागरूक करने बेनर, पोस्टर, पाम्पलेट तथा मुनादी के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

महापौर नीरज पाल एवं स्वास्थ्य प्रभारी लक्ष्मीपति राजू ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि घरों में मच्छरदानी का प्रयोग करें, निगम द्वारा घर-घर वितरित की जा रही टेमिफास घोल का प्रयोग कुलर आदि में करें तथा अपने घर के आस-पास बरसाती पानी का जमाव न होने दें। जल जनित बिमारियों के फैलाव को रोकने के लिए निगम का सहयोग करें।

रौनियार वैश्य समाज जल्द कराएगा सामूहिक विवाह का आयोजन, समाज की बैठक में हुई विभिन्न मुद्दो पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रौनियार वैश्य समाज भिलाई की बैठक मंगलवार को कॉफी हाउस सुपेला में हुई। बैठक में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण गुप्ता व गड़वा झारखंड के अध्यक्ष बैजनाथ गुप्ता रौनियार समाज के अध्यक्ष गोपाल प्रसाद (प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी), अंबिकापुर से गणपत गुप्ता, संजय प्रसाद , रायपुर से विजय गुप्ता विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक में समाज के उत्थान के लिए कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान समाज के विवाह योग्य जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजन पर भी सहमति बनी। राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी में बताया गया कि जल्द ही समाज द्वारा बड़े स्तर पर सामूहिक विवाह का कार्यक्रम कराया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान रौनियार वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण गुप्ता ने कहा कि किसी भी समाज को उन्नत बनाने के लिए एकजुटता बेहद जरूरी है। समाज के लोगों को चाहिए कि एक दूसरे के सुख-दुख में शामिल हों और जिन्हे मदद की जरूरत है उनकी खुले दिल से मदद की जाए। श्रवण गुप्ता ने समाज के कमजोर वर्ग के लोगों की आर्थिक सहायता से लेकर सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन का मुद्दा उठाया। बैठक में मौजूद समाज के सभी प्रतिनिधियों ने इसका समर्थन भी किया।

पढ़ाई व चिकित्सा पर हुई चर्चा

बैठक के दौरान समाज के बच्चों की पढ़ाई व चिकित्सा पर विशेष चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को पढ़ाई व चिकित्सा संबंधी जरूरतों के लिए आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। इसके लिए समाज की अग्रणी पंक्ती के लोगों को आगे आने की जरूरत है। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी कहा कि जल्द ही छत्तीसगढ़ में जल्द ही प्रदेश कार्यकारिणी के चुनाव होने वाले हैं।

फूल माला से हुआ स्वागत

इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष का फूल माला, श्रीफल व शॉल पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान समाज के पूर्व अध्यक्ष राज किशोर गुप्ता ने कहा कि पहली बार दुर्ग जिले में समाज का राष्ट्रीय अध्यक्ष आया है। यह हमारे लिए लोगों के लिए बहुत ही गर्व की बात है। समाज की बाते सुनने व इसका इसका निदान करने के लिए प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। बैठक के दौरान रौनियार समाज से आईपीएस बने उमेश प्रसाद गुप्ता का साल व श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर दुर्ग-भिलाई रौनियार वैश्य समाज से समाज के संरक्षक राजकुमार प्रसाद, एन के गुप्ता, गुजेश्वर प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष राजकिशारे गुप्ता, कार्यकारिणी से जगशिव प्रसाद, विरेन्द्र कुमार गुप्ता, सियाराम प्रसाद गुप्ता, विरेन्द्र कुमार साह, विवेक कुमार गुप्ता, दीनेश प्रसाद गुप्ता, रमेश गुप्ता, रवीन्द्र साह आदि मौजूद रहे। अंत में कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन राजकुमार प्रसाद ने किया।

इंडस 2 इंस्टा में दिखी सिंधू घाटी सभ्यता, रैंप पर अनुष्का ने दिखाई परिधानों की झलक

■ बॉलीबुड अभिनेता अमन वर्मा सहित कई हस्तियां रही मौजूद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आईएनआईएफडी भिलाई द्वारा आयोजित फैशन शो कार्यक्रम में डिजाइनर मां गीत सोन के कॉस्ट्यूम में अनुष्का ने किया रैंपवाक बॉलीबुड अभिनेता अमन वर्मा, अनिल खोसला, जूही व्यास ने अनुष्का की विशेष रूप से सराहना की। आईएनआईएफडी के फैशन शो इंडस 2 इंस्टा में सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज के इंस्टायुग के परिधानों की झलक दिखाई दी। 1 अगस्त को कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान 12 डिजाइनरों की कृतियों को 8 मॉडल्स ने रैम्प पर प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने अभिनेता अमन वर्मा, आईएनएफडी के ग्लोबल सीईओ अनिल खोसला, मेधावी विश्वविद्यालय के संस्थापक चांसलर प्रवेश दुदानी, इंफ्लूएंसर काजल साहू, मिस ग्लोब जूही व्यास तथा पर्वतारोही याशी जैन मौजूद थीं। छह राउंड में आयोजित फैशन शो में सिंधु घाटी सभ्यता के परिधानों, वैदिक काल, मौर्य काल, मुगल काल, खादी और आधुनिक परिधानों के नए डिजाइन प्रस्तुत किये गए। इसमें आईएनआईएफ्डी के युवा डिजाइनर नैन्सी वर्मा, रश्मि यादव, अनामिका खुटे, प्रिया, यजुवेन्द्र, कनक गोदवानी, रीता, अभिलाष गुप्ता, नेहा लाल, गीत सोन, समीक्षा गुप्ता, याना की कृतियों को स्थान दिया। इन परिधानों को रैम्प पर मॉडल अनुष्का सोन, शशांक शर्मा, उमेश शर्मा, प्रेरणा वर्मा, रितु लाकरा, पायल वाधवानी, दृष्टि वाधवानी, आफरीन सिद्दीकी ने प्रस्तुत किया। सैय्यद खिसार हुसैन के निर्देशन में आयोजित इस फैशन शो को दर्शकों की खूब सराहना की।

इस अवसर पर आईएनआईएफडी के चेयरमैन विक्रम खंडेलवाल, डायरेक्टर टीना खण्डेलवाल,प्रकाश पारख,मोनिका पारख, एमजे ग्रुप ऑफ एजुकेशन की डायरेक्टर डॉ श्रीलेखा विरुलकर, आईएनआईएफ्डी की हर्षा चंद्रिकापुरे, स्वाति पटेल, सहित सभी इंस्ट्रक्टर उपस्थित थे. कार्यक्रम का आरंभ गणेश वंदना छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य से हुआ। वी रम्याश्री, वी याशाश्री, बी मेघा ने नृत्य प्रस्तुत किया। आईएनआईएफडी के सभी छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। संचालन रिधांशा अरोरा ने किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950